राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 28 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-293 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात से जैश-ए-मोहम्मद का संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

एटीएस ने एके-47 और 20 जिंदा कारतूस किए बरामद

वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन पर हमले की तैयारी कर रहा था

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड ने वडोदरा से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मोहम्मद सहारुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। वह असम का रहने वाला है। एटीएस के मुताबिक, वह वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन पर हमले की तैयारी कर रहा था। उसके मोबाइल से एयरफोर्स स्टेशन की फोटो और वीडियो के साथ जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी सामग्री भी मिली है। उसके पास से एके - 47 जैसी ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल, 2 मैगजीन, 23 जिंदा कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का झंडा, 2 मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई है। जांच के मुताबिक, आरोपी असम से बस और ट्रेन के जरिए गुजरात आया था। वह सार्वजनिक जगहों पर आतंकी हमला करने की फिराक में था। वडोदरा में वह रेलवे स्टेशन के पास रुका हुआ था। एटीएस पिछले 6 महीने से उसकी तलाश कर रही थी। गुजरात एटीएस ने 3 जुलाई को आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 आतंकियों को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा था। सभी को अलग अलग जिलों से पकड़ा गया। इनमें से दो की उम्र 18 और 19 साल है। ये सभी गुजरात में छद्मरूका एक एक्टिव नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया सके। सूचना मिलने के बाद, एटीएस ने 5 अलग-अलग टीमें बनाकर एक बड़ा अभियान चलाया था। एटीएस की टीमों ने गुजरात के कई जिलों में सर्चिंग की।



रिपोर्ट-वायुसेना की टीम रूस जाकर सिस्टम की जांच करेगी

एलओसी पर पांचवां एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से लगे 740 किलोमीटर लंबे नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए पांचवां एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाने की योजना है। इससे पहले चार को सीमा पर अलग-अलग जगह तैनात किया गया है। सुरक्षा कारणों से इनके लोकेशन की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय वायुसेना की एक टीम अगले महीने रूस जाकर इस सिस्टम का प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन करेगी। इसके फरवरी 2027 तक तैनाती के लिए तैयार होने की उम्मीद है। यह जानकारी मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने दी है। एस-400 ट्रायम्फ रूस का एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था। यह सिस्टम स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है।



भारत के पास एस-400 की 3 ऑपरेशनल स्क्वाड्रन

एस-400 की एक स्क्वाड्रन में 256 मिसाइल होती हैं। भारत के पास इस वक्त 3 स्क्वाड्रन हैं, जिन्हें अलग-अलग तरफ की सीमाओं पर तैनात किया गया है। पहली स्क्वाड्रन :पंजाब में तैनात की गई है। भारत को पहली 2021 में रूस ने पहली स्क्वाड्रन सौंपी थी। यह पाकिस्तान और चीन दोनों की ओर से आने वाले खतरों को रोकने के लिए है। दूसरी स्क्वाड्रन - सिक्किम (चीन सीमा) में तैनात है। भारत को यह खेप जुलाई 2022 में मिली थी। यहां से चिकन नेक पर भी निगरानी रखी जाती है। तीसरी स्क्वाड्रन- राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात है। भारत को यह खेप फरवरी 2023 में मिली। इस स्क्वाड्रन से पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत होती है। चौथी स्क्वाड्रन - असम में तैनात है। यह अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। जून 2026 में इसकी पहली खेप भारत पहुंची।

पाकिस्तान चीन से 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां खरीद रहा है

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन और तुर्किये पाकिस्तान की सैन्य ताकत बढ़ा रहे हैं। अमेरिका पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में मदद कर रहा है, जबकि सऊदी अरब उसे आर्थिक मदद दे रहा है। पाकिस्तान चीन से 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां खरीद रहा है। इस सौदे की कीमत 5 अरब डॉलर यानी करीब 46,220 करोड़ से ज्यादा है। इनमें से एक पनडुब्बी जून 2026 में पाकिस्तानी नौसेना में शामिल हो चुकी है। तुर्किये पाकिस्तान की अगोस्टा-90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड कर रहा है और उसे लंबी दूरी के कामिकेज ड्रोन दे रहा है। वहीं, चीन पाकिस्तान को मिसाइल दागने में सक्षम विंग लूंग-2 ड्रोन भी दे चुका है।

सुप्रीम' आदेश मदुरै दीपथून पर आज जलाओ दीपक

तमिलनाडु की थलपति विजय सरकार से नाराज सुप्रीम कोर्ट

मंदिर ट्रस्ट निलंबित,सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ होगी तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून स्तंभ में कार्तिगई दीपम जलाने का विवाद अब न्यायपालिका और राज्य सरकार के बीच आदेश पालन का बड़ा सवाल बन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2026 को एक विशेष निर्देश दिया था, लेकिन 24 नवंबर को निर्धारित स्थान पर दीप नहीं जलाया गया। इसके बाद अदालत में अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। 27 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि उसके आदेशों को अपनी सुविधा के अनुसार बदलना या उन पर बातचीत करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ में जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे। अदालत 27 नवंबर को मदुरै के जिला कलेक्टर और तमिलनाडु के अन्य अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। 20 नवंबर के आदेश में 24 नवंबर को दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने साफ किया कि इस सुनवाई में वह पुराने विवाद के सभी पहलुओं के बजाय अपने आदेश के पालन की जांच करेगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने पाया कि 20 नवंबर के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई है। जबकि, मदुरै के जिला कलेक्टर ने मद्रास हाई कोर्ट के सामने यह सुनिश्चित करने का वचन दिया था कि आदेश का पालन किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपरनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज को निलंबित कर दिया है और दो जजों की एक समिति के जरिए मंदिर का प्रशासन अपने हाथ में ले लिया है।



अधिकारी 'बॉस' को खुश करने में लगे हैं

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने पाया कि 20 नवंबर के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई है। जबकि, मदुरै के जिला कलेक्टर ने मद्रास हाई कोर्ट के सामने यह सुनिश्चित करने का वचन दिया था कि आदेश का पालन किया जाएगा। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि तमिलनाडु प्रशासन संवैधानिक अराजकता की स्थिति में है। बेंच ने कहा कि वे मदुरै के जिला कलेक्टर के शुरुआती बर्ताव से हैरान हैं। कलेक्टर के पास व्यापक शक्तियां होने के बावजूद, उन्होंने कोर्ट के आदेश का पालन न करने की जिम्मेदारी मंदिर प्रशासन पर मढ़ दी। अधिकारियों द्वारा अपने राजनीतिक वरिष्ठों के इशारे पर काम करने के आरोपों पर, पीठ ने कहा कि दावों की जांच करनी होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 28 नवंबर को दीपथून पर धार्मिक दीप जलाने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि इसके लिए उचिपिल्लैयार मंडपम में जल रही लौ का इस्तेमाल किया जाए, यदि वह अभी भी जल रही हो। ऐसा संभव नहीं होने पर दीप जलाने की दूसरी व्यवस्था की जा सकती है। अदालत ने श्रद्धालुओं को दरगाह से सभी तरफ कम से कम 50 मीटर की दूरी रखते हुए दीप जलाने की अनुमति भी दी। यह कार्रवाई कोर्ट के 20 नवंबर के आदेश का पालन न करने की वजह से की गई है। इस आदेश में मदुरै की तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के ऊपर स्थित 'दीपाथून' पत्थर के खंभे पर एक बार दीपाम (धार्मिक दीपक) जलाने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट के निर्देशों के बावजूद, 24 नवंबर को दीपक नहीं जलाया गया।

जाकिर नाइक के संगठन पर ऐक्शन ले सकेंगे राज्य

यूएपीए के तहत फंड-प्रॉपर्टी जब्त करने का मिला अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक के संगठन इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दे दिया है। अब राज्य सरकारें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत संगठन के फंड, वित्तीय संपत्तियों और परिसरों पर कार्रवाई कर सकेंगी। गृह मंत्रालय ने 26 नवंबर को इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया। केंद्र सरकार ने 13 नवंबर को आईआरएफ पर लगा प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था। यह फैसला यूएपीए की धारा 42 के तहत लिया गया है। इसके तहत राज्यों को यूएपीए की धारा 7 और 8 के तहत कार्रवाई करने का अधिकार मिला है। धारा 7 के तहत अधिकारी संगठन के लिए इस्तेमाल होने वाले या रखे गए फंड, बॉन्ड और अन्य प्रापर्टियों के लेनदेन पर रोक लगा सकते हैं। संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच भी की जा सकेगी। वहीं, धारा 8 के तहत संगठन की गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाले घर, इमारत और अन्य परिसरों को अधिसूचित कर उन पर नियंत्रण किया जा सकेगा। ऐसे परिसरों में लोगों की आवाजाही और वहां मौजूद चल संपत्तियों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई जा सकती है।



संगठन पर 5 साल के लिए बढ़ाया प्रतिबंध

केंद्र सरकार ने 13 नवंबर को आईआरएफ पर लगा प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था। यह प्रतिबंध 14 नवंबर को खत्म होने वाला था। सरकार ने यूएपीए की धारा 3(1) और 3(3) के तहत संगठन को गैरकानूनी घोषित किया है। भारत ने पहली बार 17 नवंबर 2016 को आईआरएफ पर प्रतिबंध लगाया था। उस समय गंभीर आरोप थे।

2016 से भारत के बाहर है

महाराष्ट्र का रहने वाला जाकिर नाइक 2016 में विदेश यात्रा पर गया था। उसी साल केंद्र सरकार ने उसके संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद से वह मलेशिया में रह रहा है। 2017 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुरोध पर उसका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया था।

हम हिंदू बनना चाहते हैं हिंदू रिवाजों से हों हमारे अंतिम संस्कार!

ईसाई परिवारों ने केरल हाई कोर्ट से लगाई गुहार,कर दी बड़ी मांग

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। धर्म चुनना किसी भी व्यक्ति की निजी आस्था और स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है। इसी अधिकार को लेकर केरल के एक ईसाई परिवार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। परिवार के आठ सदस्य ईसाई धर्म छोड़कर अपने पूर्वजों के हिंदू धर्म में वापस लौटना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने कोल्लम जिले के



कोट्टारक्करा स्थित श्री महागणपति मंदिर में धार्मिक रस्म कराने की मांग की है। परिवार का कहना है कि मंदिर प्रशासन की ओर से करीब पांच महीने तक कोई फैसला नहीं ले पाया है। अब इस मामले में केरल हाईकोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की गई है।

हिंदू धर्म में आस्था, परिवार के सदस्यों ने हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका- मामला केरल के कोल्लम जिले के पुनालूर क्षेत्र के एक ईसाई परिवार से जुड़ा है। परिवार के आठ सदस्य चर्च ऑफ साउथ इंडिया से जुड़े हैं। याचिकाकर्ता सूर्यलक्ष्मी एस के अनुसार, उनके पूर्वज हिंदू थे और कुरावा समुदाय से संबंध रखते थे। परिवार ने अपनी इच्छा से दोबारा हिंदू धर्म अपनाने का फैसला किया है। परिवार ने 24 जून 2026 को कोट्टारक्करा श्री महागणपति मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी के सामने आवेदन दिया था। उनकी मांग थी कि मंदिर में मत परिवर्तनम यानी धर्म परिवर्तन की धार्मिक रस्म कराई जाए। लेकिन मंदिर प्रशासन ने फिलहाल इंतजाम नहीं किया है। ऐसे में उन्होंने अदालत से दखल देने की गुहार लगाई।

मोदी कैबिनेट ने दिखाई हरी झंडी, 25 साल संख्या नहीं बदलेगी

प्रस्ताव पास,लोकसभा में बढ़ेंगी 50 फीसदी सीटें

30 को लोकसभा,2 दिसंबर को राज्यसभा में बिल आएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट ने शुक्रवार को लोकसभा सीटों में 50 फीसदी बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी की अध्यक्षता में सेवा तीर्थ में करीब एक घंटे बैठक चली। इसमें परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण के नए बिल को मंजूरी दी गई। लोकसभा में अभी 543 सीटें हैं। 50 फीसदी बढ़ोतरी के बाद ये 815 हो जाएंगी। यानी 272 सीटें बढ़ेंगी। बढ़ाई गई सभी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं। कुल सीटों की यह संख्या अगले 25 साल तक नहीं बदलेगी। सूत्रों के मुताबिक, नए बिल में कुछ बदलाव किए गए हैं, ताकि



परिसीमन के बाद किसी भी राज्य की लोकसभा में सीटों की हिस्सेदारी दूसरे राज्यों के मुकाबले कम न हो। सरकार इसे 30 नवंबर को पेश करेगी।

मोदी कैबिनेट ने दी बिल को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने शुक्रवार को डिलिमिटेशन के जरिए महिलाओं के लिए 33 फीसदी रिजर्वेशन लागू करने के लिए कॉन्स्टिट्यूशन अमेंडमेंट बिल को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित कानून में सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में एक समान 50 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रावधान है, जबकि 2051 तक सीटों का मौजूदा अनुपात बनाए रखा जाएगा। ये फैसला संसद के स्पेशल सेशन के लिए फिर से शुरू होने से कुछ दिन पहले आया है, क्योंकि सरकार अप्रैल में बिल के हारने के बाद इसे पास करने की एक और कोशिश करने की तैयारी कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह जानकारी दी है।

अप्रैल में पेश विधायी पैकेज में ये 3 बिल थे शामिल

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026-इसका उद्देश्य लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 सीटें करना और महिला आरक्षण को लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने के लिए एक परिसीमन आयोग गठित करने का प्रस्ताव है। केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 : इसका उद्देश्य दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर की चुनावी व्यवस्था में जरूरी बदलाव करना है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, लोकसभा में सदस्यों की संख्या 850 तक हो सकती है, जिसमें राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य शामिल होंगे। परिसीमन वह प्रक्रिया है जिसके तहत रणनीति बनेगी।

राजनीति यूपी चुनाव पर खरगे बोले-यहां गठबंधन सरकार को लाओ

इमरान को नसीहत,जोश ठीक,लेकिन काम करना है

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है। मोदी-योगी को हराना है। अंदरूनी झगड़ों से जीत मुश्किल होती है। उन्होंने इमरान मसूद के जोश की तारीफ की, साथ ही गठबंधन धर्म निभाने की सलाह भी दी। कहा- हमारे इमरान मसूद हैं, रोज टीवी पर सुनता हूं, जरा जोश के साथ बात करते हैं। लेकिन हमें बातों से ज्यादा काम भी करना है। इसलिए जितना हम लोग मिलकर काम करेंगे, उतना ही आगे बढ़ेंगे। लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि हमारे अजय राय ने प्रधानमंत्री से टक्कर ली। वह थोड़े से चूक गए, नहीं तो हमारे प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नहीं रहते। वह गुजरात जाकर बैठते। खड़गे कांग्रेस के संविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे। प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। हालांकि, खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला। पार्टी कार्यालय से करीब 150



मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही श्री लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। कई कोशिशों के बाद भी कांग्रेसी आगे नहीं बढ़ सके। उधर, पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा को गिरफ्तार किया।

कार्यालय से डेढ़ सौ मीटर तक ही आगे बढ़ सके कांग्रेसी

पार्टी कार्यालय से करीब डेढ़ सौ मीटर तक बड़ी संख्या में कांग्रेसी पहुंचे थे। लेकिन थ्री लेयर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने उनको रोक दिया। करीब 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे जाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने जाने नहीं दिया। इसके बाद प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई सीनियर नेताओं को हिरासत में ले लिया और सबको इको गार्डन लेकर गई। अजय राय ने कहा- योगी सरकार तानाशाही कर रही। संविधान दिवस के दिन संविधान कुचलने का काम सरकार कर रही। ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं है। हमारा एक-एक कार्यकर्ता सड़क पर उतरा है। हम संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरे हैं। उन्होंने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैली को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया। कांग्रेस की रैली में आए सुभाष श्रीवास्तव ने कहा हम लोग कभी अंग्रेजों से नहीं डरे। कांग्रेस डरने वाली नहीं है। अंग्रेजों ने हमारे मार्च को रोका था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंगल की ओर बढ़ते मानव कदम

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- मंगल की दहलीज पर खड़ी मानवता

(लाल ग्रह दिवस (28 नवम्बर) पर विशेष)

मंगल की सतह पर काफी मात्रा में लोहा है और जब यह ऑक्सीजन के अणुओं के साथ क्रिया करता है तो आयरन ऑक्साइड बनाता है, जिसे आम भाषा में जंग लगना भी कहते हैं। पृथ्वी अपने वायुमंडल के कारण नीले रंग की दिखाई देती है लेकिन मंगल का जंग जैसा लाल रंग इसकी मिट्टी में ऑक्सीकृत लोहे के कारण आता है। नासा के मुताबिक मंगल ग्रह पर बहुत सारी चट्टानें लोहे से भरी हुई हैं और जब वे बाहरी वातावरण के सम्पर्क में आती हैं तो ऑक्सीकरण करती हैं और लाल हो जाती हैं।

वैसे तो रात होते ही आसमान में बहुत सारे तारे टिमटिमाते नजर आते हैं लेकिन इंसानों के लिए पृथ्वी के बगल में सदा से ही आकर्षण का केन्द्र रहा एक खूबसूरत लाल ग्रह मौजूद है, जिसे 'रेड प्लेनेट' अथवा 'मंगल' के नाम से जाना जाता है। मंगल ऐसा ग्रह है, जो रात के समय लाल रंग का दिखाई देता है। इसी लाल ग्रह के बारे में और अधिक जानने के लिए प्रतिवर्ष 28 नवम्बर को 'लाल ग्रह दिवस' (रेड प्लेनेट डे) मनाया जाता है। यह दिवस 28 नवम्बर 1964 को नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) द्वारा अंतरिक्ष यान 'मेरिनर-4' के प्रक्षेपण की याद में मनाया जाता है, जो कई असफल मिशनों के बाद मंगल ग्रह पर उतरने वाला पहला अंतरिक्ष यान था। करीब आठ महीने की यात्रा करने के बाद यह अंतरिक्ष यान 14 जुलाई 1965 को लाल ग्रह पर पहुंचा था। 28 नवम्बर 1964 को नासा ने जब पहली बार 'मेरिनर-4 रोबोटिक इंटरप्लेनेटरी प्रो' लांच किया था, तब अनौपचारिक छुट्टी की घोषणा की गई थी और सभी ने नासा की इस सफलता को उत्साहपूर्वक मनाया था। मेरिनर-4 को फ्लाई-बाय के दौरान डेटा एकत्र करने, ग्रहों की खोज और मंगल ग्रह के वैज्ञानिक अवलोकन को सक्षम करने तथा उस डेटा को पृथ्वी पर लोगों को वापस रिले करने के लिए बनाया गया था। अपने 228 दिनों के सफर को सफलतापूर्वक तय करने के बाद मेरिनर-4 पहला ऐसा स्पेसक्राफ्ट बना था, जिसे नासा द्वारा मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतारा गया था। उसी स्पेसक्राफ्ट ने मंगल ग्रह की तस्वीरें पहली बार दुनिया के सामने प्रस्तुत की थी।

अब तक 14 मंगल मिशन सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं, जहां मानव निर्मित वस्तुएं इस ग्रह पर उतरी। भारत भी इसरो के जरिये मंगल ऑर्बिट तक पहुंचने के अपने 'मंगल मिशन' में सफल हो चुका है। मंगल को जानने के लिए अब तक दुनियाभर में शुरू किए गए दो तिहाई अभियान असफल रहे हैं लेकिन भारत 24 सितम्बर 2014 को मंगल पर पहुंचने के साथ ही विश्व में अपने पहले ही प्रयास में सफल होने वाला पहला देश तथा सोवियत रूस, नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद मंगल पर पहुंचने वाला दुनिया का चौथा देश बना था। सूर्य से चौथा ग्रह 'लाल ग्रह' यानी मंगल है और मंगल तथा पृथ्वी का गहरा संबध माना जाता रहा है। मंगल ग्रह पृथ्वी के आकार का लगभग आधा है और अपने साथी स्थलीय ग्रहों की ही तरह इसमें भी एक केन्द्रीय कोर, एक चट्टानी आवरण और एक ठोस परत है। धूल भरी, ठंडी, रेगिस्तानी दुनिया में इसका वातावरण बहुत पतला है। मौसमों, ध्रुवीय बर्फ की चोटियों, घाटियों, विलुप्त ज्वालामुखी और इस बात के प्रमाण होने के साथ-साथ कि यह एक समय और भी अधिक सक्रिय था, मंगल एक गतिशील ग्रह है। पृथ्वी की तुलना में सूर्य से अधिक दूरी के कारण, मंगल ग्रह पर ऐसे मौसम का अनुभव होता है, जो अत्यधिक तापमान से बना होता है और तापमान -191 डिग्री फारेनहाइट से 81 डिग्री तक जा सकता है। लाल ग्रह के बारे में जानने के लिए कई एस्ट्रोनॉमी क्लब की भी शुरुआत की गई है, जो मंगल ग्रह से जुड़ी जानकारियों को एक-दूसरे से बांटने का काम करते हैं।

मंगल ग्रह के चारों ओर कोई वलय नहीं हैं। कई अध्ययनों से पता चल चुका है कि मंगल ग्रह पृथ्वी की स्थलाकृति से काफी मिलता-जुलता है। मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह अलग-अलग मौसम हैं लेकिन वे पृथ्वी पर मौसम की तुलना में अधिक समय तक रहते हैं। चूंकि मंगल ग्रह के बहुत से गुण पृथ्वी की तरह ही हैं, इसीलिए पृथ्वी के पर्यावरण की तरह मंगल के पर्यावरण को समझकर यह माना जाता है कि बहुत साल पहले मंगल ग्रह पर भी जीवन संभव हुआ होगा और यह भी माना जाता है कि भविष्य में भी मंगल ग्रह पर जीवन संभव है। सूर्य से बहुत दूर होने के कारण मंगल की



कक्षा पूरी होने की गति बहुत धीमी है और इसी कारण मंगल ग्रह पर एक वर्ष में करीब 687 दिन बीतेंगे, जो पृथ्वी पर एक वर्ष से लगभग दोगुना समय है। सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में मंगल ग्रह को 1.88 पृथ्वी वर्ष लगते हैं। मंगल ग्रह का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पृथ्वी का करीब एक-तिहाई है और गुरुत्वाकर्षण के विभिन्न खिंचाव के परिणामस्वरूप ही यदि किसी व्यक्ति का वजन पृथ्वी पर 100 पाउंड है तो अंतरिक्ष में उसका वजन केवल 38 पाउंड ही होगा।

यह जानना भी बहुत दिलचस्प है कि मंगल ग्रह को लाल ग्रह क्यों कहा जाता है? दरअसल यह आकाश में एक लाल सितारे के रूप में दिखाई देता है और इसकी सतह भी महीन रेत और आयरन ऑक्साइड से भरी धूल से ढ़की हुई होती है। मंगल ग्रह की सतह पर पाए जाने वाले तत्वों के कारण ही यह ग्रह लाल रंग का है। नासा के मुताबिक मंगल की सतह पर आयरन ऑक्साइड की बहुत अधिक मात्रा में मौजूदगी है और वैज्ञानिकों के अनुसार जिस प्रकार ऑक्सीजन तथा नमी के सम्पर्क में आने पर पृथ्वी पर लोहे की वस्तुओं पर जंग लग जाती है, ठीक उसी प्रकार मंगल की मिट्टी में मौजूद लौह खनिज में जंग लग गया है और उसी कारण यह लाल नजर आती है। मंगल की सतह पर काफी मात्रा में लोहा है और जब यह ऑक्सीजन के अणुओं के साथ क्रिया करता है तो आयरन ऑक्साइड बनाता है, जिसे आम भाषा में जंग लगना भी कहते हैं। पृथ्वी अपने वायुमंडल के कारण नीले रंग की दिखाई देती है लेकिन मंगल का जंग जैसा लाल रंग इसकी मिट्टी में ऑक्सीकृत लोहे के कारण आता है। नासा के मुताबिक मंगल ग्रह पर बहुत सारी चट्टानें लोहे से भरी हुई हैं और जब वे बाहरी वातावरण के सम्पर्क में आती हैं तो ऑक्सीकरण करती हैं और लाल हो जाती हैं। जब उन चट्टानों से जंग लगी धूल वायुमंडल में फैलती है तो इससे मंगल ग्रह का आकाश लाल या गुलाबी दिखने लगता है। आयरन ऑक्साइड अथवा आयरन रस्ट की मात्रा बहुत ज्यादा होने के कारण ही मंगल ग्रह लाल रंग का दिखाई देता है और इसीलिए इसे लाल ग्रह कहा जाता है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

संपादकीय

अपने घर में डर

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन- यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार-बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है।

भारतीय वैज्ञानिकों को संसाधन और सम्मान की जरूरत

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

भारतीय वैज्ञानिकों को बेहतर शोध के लिए उचित अवसर, स्वायत्तता और पेशेवर सम्मान की आवश्यकता लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। जहाँ एक ओर देश में नई शोध योजनाएँ शुरू की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कार्य-संस्कृति और संसाधनों को लेकर चुनौतियाँ भी सामने आती हैं।

हमारे विद्वानों की श्रृंखला में ताजा नाम बेंगलुरु के मैथमैटिशियन ऋद्धि प्रतिम बसु का जुड़ा है जिन्हें उनके द्वारा प्रोबेबिलिटी थ्योरी में मुश्किल प्रॉब्लम सॉल्व करने, दशकों पुरानी स्लो-बॉन्ड प्रॉब्लम सुलझाने, रैंडम ग्रोथ और स्टैटिस्टिकल फिजिक्स पर उनके काम के लिए मैथमैटिकल साइंसेज में इंफोसिस प्राइज-2026 मिला है। इस पहेली को सुलझा कर उन्होंने सिद्ध कर दिया कि एक प्वाइंट पर थोड़ी सी भी रुकावट पूरे सिस्टम में फ्लो को धीमा कर सकती है।

एक अध्ययन के अनुसार कोलकाता के रहने वाले ऋद्धि प्रतिम बसु ने स्टैनफोर्ड से जुड़ने से पहले यू.सी. बर्कले से अपनी पीएच. डी. पूरी की। उनकी इस उपलब्धि ने भारत के महान सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी और गणितज्ञ सत्येंद्र नाथ बसु (बोस) (1894-1974) की याद ताजा कर दी है जिनकी प्रतिभा का दुनिया ने लोहा तो माना।

आपको बता दें कि क्वांटम मैकेनिक्स और सांख्यिकी के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। वर्ष 1924 में कोलकाता विश्वविद्यालय में पढ़ाते समय सत्येंद्र नाथ बोस ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण शोध-पत्र लिखा। इसमें उन्होंने क्लासिकल भौतिकी की मदद लिए बिना, प्लांक के क्वांटम रेडिएशन नियम को व्युत्पन्न किया।

उन्होंने अपना शोध-पत्र प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन को भेजा, जिन्होंने इसके महत्व को पहचाना, इसका जर्मन भाषा में अनुवाद किया और इसे प्रकाशित करवाने में सत्येंद्र नाथ बोस की सहायता की। इन दोनों के संयुक्त कार्य ने बोस-आइंस्टीन सांख्यिकी की नींव रखी और बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट पदार्थ की पांचवीं अवस्था के अस्तित्व की भविष्यवाणी की।

भौतिक विज्ञानी पॉल डिराक ने सत्येंद्र नाथ बोस के सम्मान में बोसोन नाम रखा था, ये सब-एटॉमिक कणों का एक वर्ग है जिनका स्पिन पूर्णांक होता है इनमें फोटोन और हिग्स बोसोन शामिल हैं।

बर्न में अल्बर्ट आइंस्टीन के घर में सत्येंद्र (बोस) की तस्वीरें, उनके शोध-पत्र आदि मौजूद हैं।

इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि सत्येंद्र नाथ बोस के काम पर आधारित शोध के लिए दूसरे लोगों को विज्ञान के सबसे बड़े नोबेल पुरस्कार दिए गए, लेकिन स्वयं सत्येंद्र नाथ बोस को इसके लिए 4 बार मनोनीत किए जाने के बावजूद यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें नहीं दिया गया।

उनकी मृत्यु के बाद जब उनकी खोज को मान्यता मिली तो नोबेल पुरस्कार चयन समिति ने यह कह कर देने से इन्कार कर दिया कि वे मृतक को पुरस्कार देते ही नहीं।

लेकिन क्या हम अपने वैज्ञानिकों का उतना सम्मान करते हैं, जितना हमें करना चाहिए? क्या कहीं भी हमारे वैज्ञानिकों की कोई प्रतिमा है? क्या भारत के महान वैज्ञानिकों के लिए एक दिन भी समर्पित नहीं कर सकते ? हम जो आर्यभट्ट जैसे महान विचारकों की बात करते हैं, भारत की सर्वप्रथम विश्व को शून्य देने की बात करते हैं, हमें अपने महान वैज्ञानिकों का सम्मान भी करना चाहिए। शायद समर्थन की कमी के कारण ही, भारतीय वैज्ञानिकों में से केवल डॉ. सी.वी. रमन को ही 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला।

ऐसा नहीं है कि भारत में महान प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की कमी है, हमारे वैज्ञानिकों ने हर क्षेत्र-भौतिकी, इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष और जीव विज्ञान में महत्वपूर्ण आविष्कार और खोजें की हैं, जैसे जगदीश चंद्र बोस, सुब्रह्मण्यन, चंद्रशेखर, सर एम. विश्वेश्वरैया, येल्लाप्रगडा सुब्बाराव आदि। ऐसी भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भी लंबी कतार है, जैसे अन्ना मणि, असीमा चटर्जी, कमला सोहोनी, राजेश्वरी चटर्जी, इंदिरा हिंदुजा, अनेकों और भी।

हमारे वैज्ञानिक नासा में जाते हैं और दुनिया भर के देशों में काम करते हैं। नासा के नाम से हमारे मन में कल्पना चावला या सुनीता विलियम्स का नाम आता है, पर क्या हम जानते हैं कि कमलेश लुल्ला नासा जॉनसन स्पेस सेंटर में पृथ्वी अवलोकन के मुख्य वैज्ञानिक हैं? शर्मीला भट्टाचार्य वर्तमान में नासा एम्स रिसर्च सैंटर में एस्टेरोवायोनिक्स की मुख्य वैज्ञानिक के रूप में काम कर रही हैं। अश्विन वासवडा कैलिफोर्निया में नासा की जैट प्रोपल्शन लैबोरेट्री में एम.एस.एल. डिप्टी प्रोजैक्ट साइंटिस्ट के अहम पद पर हैं। अश्विन नासा के सबसे महत्वाकांक्षी मिशन मार्स क्यूरियोसिटी रोवर के भी एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

तो हम अपने ही देश में उन्हें उनका बनता सम्मान क्यों नहीं देते ? हम जो शुरू से ही गणित और विज्ञान के क्षेत्र में स्वयं को विश्व में अग्रणी मानते आ रहे हैं, क्या अब हमारा विज्ञान की ओर रुझान कम हो गया है ?

यदि हम अपने विद्वानों को प्रोत्साहित करते या अपने प्राचीन विद्वानों के योगदान को याद रखते तो न जाने और कितनों को यह पुरस्कार मिल सकता था। निश्चय ही यह एक महान उपलब्धि है, परंतु आज यह बात कितने भारतीयों को मालूम है कि हमारे वैज्ञानिक कितने प्रतिभाशाली थे और हैं। ध्यान रहे कि कई शोध संस्थानों में वैज्ञानिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता के बजाय प्रशासनिक नियंत्रण और पद के आधार पर सम्मान मिलने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

बेहतर अवसरों, कार्य-वातावरण और सम्मान की कमी के चलते कई शोधकर्ता विदेश जाते हैं या देश के संस्थानों से इस्तीफा देते हैं।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि वैज्ञानिकों को लंबे समय तक जटिल विषयों पर काम करने, असफलता से सीखने की छूट और केवल कागज़ी मानकों से परे हटकर गुणवत्तापूर्ण काम के आधार पर आंका जाना चाहिए।

भारत सरकार द्वारा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन , अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना, रामानुजन फेलोशिप और इनसपायर जैसी पहलों के माध्यम से शोध को बढ़ावा और वित्तपोषण दिया जा रहा है।

होमी जहांगीर भाभा, चंद्रशेखर वेंकटरमन, विक्रम साराभाई और जगदीश चंद्र बोस जैसे वैज्ञानिकों के योगदान ने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और विज्ञान के क्षेत्र में भारत को मजबूत पहचान दिलाई है। इनके योगदान को प्रेरणा समझ कर आगे बढ़ने की जरूरत है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)



संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

विचार मंथन

मतदाता सूची विवाद राष्ट्रव्यापी आंदोलन बना?

(लेखक- सनत जैन)

- एसआईआर रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तेज

संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को देशभर में चुनावी पारदर्शिता और मताधिकार की रक्षा को लेकर जिस तरह विरोध प्रदर्शनों का आयोजन हुआ, उसने भारतीय राजनीति में एक नए तूफान को जन्म दिया है। अब तक विपक्षी दल और विभिन्न सामाजिक संगठन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग कर रहे थे। अब इस आंदोलन में एक नई और बड़ी मांग जुड़ गई है। यह मांग है, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रद्द करने और पुरानी मतदाता सूची को बहाल करने की है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने संविधान दिवस पर संविधान बचाओ और वोट चोरी के आरोपों के साथ देशव्यापी प्रदर्शन आयोजित किए। दिल्ली, लखनऊ, नागपुर, मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों में सफल विरोध कार्यक्रम हुए। आंदोलन में सामाजिक संगठनों, युवाओं और नागरिक अधिकार समूहों की भागीदारी बड़ी संख्या मे देखने को मिली। विपक्ष का आरोप है, मतदाता सूची में बदलाव की प्रक्रिया से बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदान सूची से अलग कर दिए गए हैं, जिसके कारण चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए। 13 करोड़ से अधिक नाम हटने का विवाद अब चरम स्तर पर पहुंच गया है। एसआईआर को लेकर सबसे बड़ा सवाल मतदाता सूची से हटाए गए नामों को लेकर है। सितंबर 2026 में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से लगभग 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। यह संख्या पहले से दर्ज मतदाताओं का करीब 14.1 प्रतिशत है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है, प्रारूप सूची से हटाए गए सभी नाम स्थायी रूप से काटे गए हैं। सभी वास्तविक मतदाता थे? ऐसा निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। फिर भी बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में जो मतदाता हटाए गए थे उनकी संख्या बड़ी मात्रा में है, जिसके कारण चुनाव आयोग निशाने पर है। इतने बड़े पैमाने पर नामों का कम होना गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

विपक्ष की मांग है, 2024 अथवा 2025 की पूर्ववर्ती मतदाता सूची को आधार बनाकर नए सिरे से पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाए। जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटे हैं, उन्हें बिना जटिल दस्तावेजी प्रक्रिया के मतदाता सूची में वापस शामिल किया जाए। यह काम बीएलओ और रिटर्निंग ऑफिसर की निगरानी में हो। पिछले कुछ महीनों में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर रिपोर्टें सामने आई हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक विस्तृत पड़ताल में दावा किया गया था, मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ काम कर रहे दोनों अन्य चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में 14 बार निर्णयों पर आपत्ति दर्ज कराई थी। इनमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। यह मामला आयोग के आंतरिक निर्णयों और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। इसके अलावा, एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 में कथित बदलाव और आयोग के निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। आयोग ने अपने जवाब में निर्णयों को सर्वसम्मति से लिया गया बताया है, जबकि याचिकाकर्ताओं ने इस पर सवाल उठाए हैं। अब विपक्ष आयोग से आंतरिक फाइलों, निर्णयों और संबंधित रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने की मांग कर रहा है, जो चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नहीं कर रहा है। मतदान के आंकड़ों और ईवीएम से संबंधित विसंगतियों को लेकर भी राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। प्रमाणों के साथ गड़बड़ियों को उजागर किया गया है। अलग-अलग फॉर्म में दर्ज मतदाताओं और मतदान के आंकड़ों का अंतर चुनावी धांधली से जोड़ा गया है। इन मामलों में बूथवार दस्तावेजों और आधिकारिक जांच के आधार पर ही निष्कर्ष निकला गया है। चुनाव आयोग ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। एसआईआर के मामले की सुनवाई लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। 17 नवंबर की सुनवाई में न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को निर्वाचन आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए दस दिन का समय दिया है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से आयोग से 48 सवाल पूछने की अनुमति मांगने का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, जिस पर अगली सुनवाई 9 दिसंबर के लिए निर्धारित है। दिल्ली में एसआईआर से बाहर हुए मतदाताओं को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। इसी बीच झारखंड विधानसभा ने 25 नवंबर को एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया पर रोक लगाने और पुरानी मतदाता सूची के आधार पर जांच और विपक्षी दलों से चर्चा कर मतदाता सूची को सही किया जाए इसका प्रस्ताव पारित किया है। स्पष्ट है, यह विवाद अब केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहा। इसी बीच संसद के विशेष सत्र से राजनीतिक हलचलें बढ़ गईं हैं। केंद्र सरकार ने लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर को बुलाने की तैयारी की है। महिला आरक्षण कानून और परिसीमन से संबंधित संभावित विधायी प्रस्तावों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस बैठक का विस्तृत एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया है। इसे एसआईआर, चुनाव आयोग या परिसीमन विधेयक से जोड़कर देखना वर्तमान स्थिति में समूह नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेबी ने अल्पांश शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा पर जोर दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि बाजार नियामक अल्पांश शेयरधारकों के हितों को बहुत गंभीरता से लेता है। उन्होंने प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की भूमिका का भी समर्थन किया, जो कंपनी संचालन संबंधी चिंताओं को उजागर करती हैं। यह टिप्पणी टाटा स्टील और एपीएल अपोलो ट्यूब्स के प्रस्तावित सौदे पर प्रॉक्सी फर्मों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद आई है। एक कार्यक्रम में उन्होंने जोर देकर कहा कि निवेशकों की सुरक्षा सेबी की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा` कि अल्पांश शेयरधारकों का हित हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रॉक्सी सलाहकारों को मुद्दों को सामने लाने का पूरा अधिकार है। वे अल्पांश शेयरधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और जब वे ऐसी चिंताएं उठाते हैं तो हम उनका समर्थन करते हैं। सेबी चेयरमैन ने सौदे की संरचना, मूल्यांकन और एपीएल अपोलो के अल्पांश शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा को लेकर उठाई गई चिंताओं पर सार्वजनिक चर्चा और मीडिया की पड़ताल का भी स्वागत किया। टाटा स्टील ने हाल ही में एपीएल अपोलो ट्यूब्स में प्रवर्तकों की 26.6 फीसदी हिस्सेदारी 15,510 करोड़ रुपये में खरीदने और 16,756 करोड़ रुपये की खुली पेशकश के जरिये अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की थी।

कर्नाटक में तीन दिवसीय बैंक अवकाश, कनकदास जयंती पर बंद रहेंगे बैंक

आरबीआई ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत छुट्टी घोषित की

नई दिल्ली ।

कर्नाटक में शुक्रवार को कनकदास जयंती के उपलक्ष्य में सभी बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत इस छुट्टी की घोषणा की है, जिससे बेंगलुरु, मैसूर समेत पूरे राज्य में बैंक शाखाएं बंद हैं। यह अवकाश 16वीं सदी के संत कनकदास के सम्मान में है। प्रसिद्ध संत, कवि और समाज सुधारक कनकदास ने कन्नड़ भक्ति गीतों के माध्यम से सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई थी। कर्नाटक सरकार द्वारा घोषित यह सार्वजनिक अवकाश आरबीआई द्वारा भी अनुमोदित है। शुक्रवार को कर्नाटक में बैंक बंद हैं, जबकि अन्य राज्यों में कामकाज सामान्य है। कर्नाटक में यह लंबी छुट्टी श्रृंखला है- 27 नवंबर (कनकदास जयंती), 28 नवंबर (चौथा शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) के कारण राज्य में लगातार तीन दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में भी ग्राहक डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूपीआई, मोबाइल/इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस जैसी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं। एटीएम, ऑनलाइन बिल भुगतान और खाता शेष जांचना भी संभव है। ये सुविधाएं वित्तीय कामकाज को बाधित नहीं होने देतीं।

सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर के नए कनेक्शन जारी करने पर अस्थायी रोक जारी

पिछले कई महीनों से इंडेन, एचपी और भारत गैस ने बंद किए नए कनेक्शन

नई दिल्ली ।

देश भर में नए घरेलू गैस कनेक्शन का संकट गहरा गया है, जिससे लाखों आवेदक परेशान हैं। तीनों सरकारी तेल कंपनियों इंडेन, एचपी और भारत गैस ने 14.2 किलोग्राम वाले सामान्य घरेलू सिलेंडर के नए कनेक्शन जारी करने पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है।

यह रोक पिछले कई महीनों से जारी है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि सब्सिडी वाले गैस कनेक्शन भी फिलहाल बंद बताए जा रहे हैं। तेल कंपनियों द्वारा नए घरेलू गैस कनेक्शन पर लगाई गई अस्थायी रोक ने देशभर के लाखों लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार तीनों कंपनियों ने अपने सॉफ्टवेयर से 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर का विकल्प भी हटा दिया है। अब नए कनेक्शन के लिए केवल 5 किलोग्राम और 10 किलोग्राम वाले छोटे सिलेंडर ही उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में ही लगभग 70,000 आवेदन लंबित बताए जा रहे हैं, जबकि देशभर में लाखों लोग नए कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण गैस सप्लाई पर पड़े दबाव और पाइप वाली गैस को बढ़ावा देने के चलते यह कदम उठाया गया है। इस रोक के कारण उपभोक्ता महंगे दरों पर छोटे या कमर्शियल सिलेंडर खरीदने पर मजबूर हो रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 989, निफ्टी 277 अंक गिरा

मुंबई ।



घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण भी बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 989.33 अंक नीचे आकर 83,339.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 277.30 अंक फिसलकर 25,607.20 के स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 83,208.33 के निचके स्तर जबकि निफ्टी एक समय 25,565.90 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। आज निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, बजाज ऑटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टीसीएस जैसे शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इनमें करीब 2.5 से 5 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, बीईएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एसबीआई लाइफ, ओएनजीसी और इंडिगो जैसे शेयरों में तेजी आई। सेक्टरवार बात करें तो, निफ्टी आईटी इंडेक्स , रियल्टी इंडेक्स में , ऑटो और प्राइवेट बैंक इंडेक्स में गिरावट आई। इसके विपरीत निफ्टी केमिकल , मेटल , मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में तेजी रही। खास बात यह रही कि व्यापक बाजारों ने इस गिरावट के बीच बेहतर प्रदर्शन किया, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 83932 और निफ्टी 25803 तक फिसले।

सोने का भाव 25 दिन में 17,000 टूटा



नई दिल्ली ।

नवंबर महीना सोने के निवेशकों और खरीदारों के लिए एक बड़े झटके या सुनहरे अवसर दोनों की तरह सामने आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर पिछले 25 दिनों में सोने की कीमतों में करीब 17,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 12 फीसदी से अधिक है। वहीं, अपने जनवरी के रिकॉर्ड स्तर से यह 31 फीसदी टूटकर 55,000 रुपए से ज्यादा सस्ता हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, 30 अक्टूबर को 1,38,485 रुपए पर बंद हुआ सोना 26 नवंबर को 1,21,478 रुपए तक गिर गया था। यानी महज 25 कारोबारी दिनों में इसकी कीमत में 17,000 रुपए से अधिक की गिरावट आई। 25 नवंबर को तो यह 1.20 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के भी नीचे चला गया था, जो इस गिरावट के चरम को दर्शाता है। हालांकि, शुक्रवार को बाजार में रौनक लौटी और सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला। खबर लिखे जाने तक, सोना 2,973 की बढ़त के साथ 1,25,245 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी भी 8,339 रुपए उछलकर 1,54,182 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली।

एसआईएफ ने किया कमाल, पहले ही साल में 42 हजार करोड़ का आंकड़ा पार

विशेषज्ञ बोले- म्यूचुअल फंड के साथ पूरक विकल्प के तौर पर देखें

नई दिल्ली ।

अपनी शुरुआत के पहले ही साल में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) ने निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस हासिल किया है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) एक साल में ही 42 हजार करोड़ रुपये के पार चला गया है। न्यूनतम 10 लाख रुपये से शुरू होने वाला यह नया निवेश विकल्प, म्यूचुअल फंड के बावजूद निवेशकों को खूब लुभा रहा है। जानकारों के मुताबिक एसआईएफ की रणनीतियाँ छोटी और मध्यम अवधि के लक्ष्यों के लिए म्यूचुअल फंड से बेहतर साबित हो सकती हैं। इन फंड्स में फंड मैनेजरों को निवेश रणनीति बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। इनकी प्रमुख रणनीति इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट है, जिसमें संभावित तेजी वाले शेयरों में खरीदारी और गिरावट की आशंका वाले शेयरों में डेरिवेटिव्स के जरिए शॉर्ट पोजीशन ली जाती है। इससे बाजार की दोनों स्थितियों में लाभ कमाने के अवसर मिलते हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को म्यूचुअल फंड को अपने पोर्टफोलियो का आधार बनाना चाहिए, जबकि एसआईएफ को पूरक विकल्प के तौर पर देखना चाहिए। निवेश का फैसला करते समय सिर्फ रिटर्न नहीं, बल्कि जोखिम, लिक्विडिटी और टैक्स का भी सावधानीपूर्वक आकलन जरूरी है। हालांकि शेयर बाजार और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) में लीवरेज है, सेबी ने एसआईएफ और म्यूचुअल फंड में अधिकतम 100 फीसदी पूंजी एक्सपोजर की ही अनुमति दी है।

महानदी कोलफील्ड्स के शेयर की कमजोर शुरुआत

बीएसई और एनएसई पर इश्यू प्राइस से नीचे हुए लिस्ट, आईपीओ को मिला था कमजोर प्रतिसाद

मुंबई । सरकारी कंपनी कोल इंडिया की सहायक इकाई महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए, लेकिन यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से कम पर खुले, जिससे आईपीओ में पैसे लगाने वालों को शुरुआती नुकसान हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एमसीएल के शेयर 136 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 2.1 प्रतिशत की छूट पर 133.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भी यह 134 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से कम था। महानदी कोलफील्ड्स का सार्वजनिक निर्गम 19 से 23 नवंबर के बीच खुला था, जिसे निवेशकों से ठंडा प्रतिसाद मिला और यह महज 1.52 गुना ही सब्सक्राइब हो सका। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 8,981 करोड़ रुपये जुटाए, जो पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था। इसका मतलब है कि जुटाई गई पूरी रकम कोल इंडिया के खाते में गई, जिसने लगभग 66.18 करोड़ शेयर बेचे। आईपीओ में कर्मचारियों को प्रति शेयर 6 रुपये की छूट मिली थी, और कोल इंडिया के योग्य शेयरधारकों के लिए भी शेयर आरक्षित थे। लिस्टिंग से पहले, 18 नवंबर को महानदी कोलफील्ड्स ने एंकर निवेशकों को 136 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लगभग 16.88 करोड़ शेयर आवंटित कर 2,295 करोड़ रुपये जुटाए थे। इन निवेशकों में 53 प्रमुख घरेलू और विदेशी फंड शामिल थे। अप्रैल 1992 में स्थापित, महानदी कोलफील्ड्स कोल इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह मुख्य रूप से ओडिशा के तालचेर और ईब वैली क्षेत्रों में कोयले का उत्पादन करती है। इसके पास 14 खुली और तीन भूमिगत खदानों सहित कुल 17 खदानें हैं। कंपनी अपने मजबूत वित्तीय आधार के साथ, पिछले वित्त वर्ष में लगभग 30,550 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व और 10,698 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज कर चुकी है, तथा यह बिजली, स्टील और सीमेंट जैसे उद्योगों को कोयले की आपूर्ति करती है।

एआई का बढ़ता प्रभाव, अगले 5 साल में 2.4 करोड़ नौकरियां खतरे में

जेपी मॉर्गन ने कहा, वैश्विक स्तर पर हर साल 1.3 फीसदी नॉलेज वर्कर्स विस्थापित होंगे

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की अभूतपूर्व तरक्की अब वैश्विक कार्यबल के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। जेपी मॉर्गन वेल्थ मैनेजमेंट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच सालों में एआई के कारण दुनिया भर में 2.4 करोड़ नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। इनमें मुख्य रूप से नॉलेज वर्कर्स यानी दिमागी काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी भूमिकाएं अब मशीनों को सौंपी जा रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि कंपनियां लगातार उन कार्यों के लिए एआई का उपयोग कर रही हैं, जिन्हें पहले मनुष्य संभालते थे। जेपी का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों तक, एआई हर साल वैश्विक स्तर पर 1.3 प्रतिशत नॉलेज वर्कर्स को विस्थापित कर सकता है। यह आकलन इस धारणा पर आधारित है कि कंपनियां एआई पर जितना खर्च करेंगी, उसका आधा हिस्सा मानवीय श्रम की जगह लेने में इस्तेमाल होगा।

चौंकाने वाली बात यह है कि एआई पर होने वाला खर्च, कर्मचारियों पर होने वाले खर्च का लगभग आधा है। बैंक का कहना है कि बड़े पैमाने पर छंटनी की संभावना कम है। इसके बजाय, एआई-जनित बदलावों के तहत कंपनियों द्वारा खाली हुए पदों को न भरना एक प्रमुख तरीका होगा। रिपोर्ट इस बात पर भी जोर देती है कि यदि नौकरी का यह नुकसान किसी विशेष पेशे या भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रहता है, तो इससे स्थानीय स्तर पर गंभीर आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। विश्लेषकों के अनुसार, एआई का सर्वाधिक उपयोग करने वाला अमेरिका इस बदलाव से सबसे बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

यदि दो-तिहाई नौकरियां अमेरिका में समाप्त होती हैं, तो 5 सालों में 1.6 करोड़ अमेरिकी कर्मचारी प्रभावित होंगे, यानी हर साल 30 लाख। जेपी मॉर्गन ने इस दर की तुलना 2000 के दशक में विनिर्माण क्षेत्र में हुई नौकरी के नुकसान से की है, जो उससे चार गुना अधिक होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब- गोयल

नई दिल्ली ।



वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है और समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तथा रूपरेखा अब आकार ले रही है।गोयल ने इंडिया डेट कैपिटल मार्केट समिट 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा ` कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है। वह प्रक्रिया और मार्ग, जिसकी वजह से समझौते को अंतिम रूप देने में हमेशा रुकावट आती थी, उसमें अब कुछ बात बन रही है। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की ताजा रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया गया है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सुरक्षा में बड़ा बदलाव,इन-हाउस सिस्टम पर जोर

साइबर हमलों के खतरे के बीच 60-70 फीसदी डिजिटल प्लेटफॉर्म बैंक खुद करेगा संचालित

नई दिल्ली ।

बढ़ते साइबर हमलों से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक ने अपनी डिजिटल सुरक्षा रणनीति बदली है। बैंक अब अपने महत्वपूर्ण डिजिटल बैंकिंग और भुगतान प्लेटफॉर्मों पर बाहरी निर्भरता घटाकर, उन्हें आंतरिक रूप से विकसित और प्रबंधित करेगा। अगले कुछ वर्षों में बैंक के 60 से 70 प्रतिशत प्रमुख ऐप्स और सिस्टम को इन-हाउस लाने का लक्ष्य है। बैंक के एक अधिकारी के अनुसार माय कॉर्ड्स, ओनलीकॉर्ड्स और पेजेडएप जैसे प्लेटफॉर्म सहित मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, कोर पेमेंट्स और एपीआई मैनेजमेंट जैसे संवेदनशील डिजिटल सिस्टम को आंतरिक नियंत्रण में लिया जा रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी पर साइबर हमले बढ़े हैं, जिससे पिछले तीन महीनों में 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन ने भी ऐसे हमलों को लेकर चेतावनी जारी की है। बैंक का मानना है कि केवल समय-समय पर होने वाले सिक्योरिटी ऑडिट के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपनी प्रौद्योगिकी पर सीधा नियंत्रण अब आवश्यक है। इस रणनीति से एचडीएफसी बैंक न केवल थर्ड-पार्टी कंपनियों पर अपनी निर्भरता कम करेगा, बल्कि अपने ग्राहकों को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग अनुभव भी प्रदान करेगा।

म्यूचुअल फंड के रेगुलर प्लान में निवेशकों का गहरा विश्वास

सिर्फ एयूएम ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश बनाए रखने के मामले में भी रेगुलर प्लान

नई दिल्ली।

म्यूचुअल फंड में निवेश का खर्च कम करने के बावजूद, निवेशकों का रुझान महंगे रेगुलर प्लान की ओर अधिक है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार इक्विटी ओरिएंटेड फंडों के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी 68 फीसदी है, जबकि कम लागत वाले डायरेक्ट प्लान महज 32 फीसदी पर सिमटे हुए हैं। यह विरोधाभास निवेशकों के लिए खर्च के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कारकों को उजागर करता है। सिर्फ एयूएम ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश बनाए रखने के मामले में भी रेगुलर प्लान अव्वल हैं। मार्च 2026 तक, रेगुलर प्लान की 23.5 फीसदी संपत्ति पांच साल से अधिक समय से निवेशित थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह आंकड़ा केवल 14 फीसदी था।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के संदर्भ में यह अंतर और भी स्पष्ट है, जहां रेगुलर प्लान की 34.4 फीसदी एसआईपी संपत्ति पांच साल से ज़्यादा समय से निवेशित पाई गई, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह आंकड़ा 19.9 फीसदी रहा। जानकारों का मानना है कि कम खर्च के बावजूद, निवेशकों के लिए भरोसा, सही मार्गदर्शन और निवेश की नियमित निगरानी बेहद महत्वपूर्ण होती है।

यही कारण है कि रिटेल और अमीर निवेशकों की लगभग 70 फीसदी म्यूचुअल फंड संपत्ति आज भी रेगुलर प्लान में है। एक सर्वे के मुताबिक, हर 10 में से छह डिस्ट्रीब्यूटर ग्राहक निवेश संबंधी फैसलों के लिए पूरी तरह उन पर निर्भर रहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूटर केवल फंड बेचने वाले एजेंट नहीं हैं, वे निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने, लंबी अवधि के लक्ष्य हासिल करने और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के दौरान स्थानीय भाषा में संवाद कर निवेशकों की चिंताओं को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

म्यूचुअल फंड उद्योग की भविष्य की वृद्धि इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश जागरूकता को लंबी अवधि के निवेश में कैसे बदला जाता है।

बैंकों में गहराया नकदी संकट, आरबीआई पर तरलता बढ़ाने का दबाव

सीडी और ओवरनाइट दरें बढ़ीं, डब्ल्यूएसीआर भी एमएसएफ के पार



मुंबई ।

अक्टूबर में नीतिगत दरों में बढ़ोतरी के बाद से भारतीय बैंकिंग तंत्र में नकदी का गंभीर संकट गहरा गया है। मौजूदा समय में बैंकिंग तंत्र में 32,216 करोड़ रुपये की भारी कमी दर्ज की गई है, जिससे अल्पकालिक ब्याज दरों में उल्लेखनीय उछाल आया है। यह स्थिति केंद्रीय बैंक पर तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाने के नए उपाय करने का दबाव बढ़ा रही है। नकदी की इस किल्लत के चलते तीन महीने के जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) पर ब्याज दरें लगभग 100 आधार अंक बढ़कर 7.5-7.6 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं, और ओवरनाइट मनी मार्केट दरें भी बढ़ी हैं। मौद्रिक नीति का अहम लक्ष्य मानी जाने वाली औसत भारित कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) हाल ही में बढ़कर 5.76 प्रतिशत हो गई है, जो सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर (5.75 प्रतिशत) से भी अधिक है। यह दर्शाता है कि परिचालन दरें प्रभावी रूप से 75 आधार अंक तक बढ़ गई हैं, जिसमें 50 आधार अंक सिर्फ नकदी की तंगी के कारण हैं।

व्हाट्सएप ला रहा है यात्रियों के लिए ई-सिम सुविधा

ऐप के भीतर से ही खरीदें डेटा ई-सिम, जियो भी साझेदारों में शामिल

नई दिल्ली ।

मेटा के स्वामित्व वाली मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक बड़ी सुविधा लाने की तैयारी में है। जल्द ही उपयोगकर्ता सीधे ऐप के भीतर से डेटा ई-सिम खरीद और इंस्टॉल कर सकेंगे, जिससे विदेश में भी अपने मौजूदा फोन नंबर पर बिना किसी रुकावट के व्हाट्सएप का उपयोग जारी रखना आसान हो जाएगा। यह कदम उपयोगकर्ताओं को स्थानीय सिम कार्ड खरीदने की झंझट या महंगे रोमिंग शुल्क से मुक्ति दिलाएगा। व्हाट्सएप ने बताया कि बस कुछ ही टैप में ई-सिम खरीदना और इंस्टॉल करना संदेश भेजने जितना ही आसान होगा। कंपनी ने इस सुविधा के लिए जियो, स्मार्ट एक्सियाटा, स्मार्ट कम्युनिकेशंस और वेरिजॉन जैसे प्रमुख ई-सिम प्रदाताओं और दूरसंचार साझेदारों के साथ साझेदारी की है। यह सेवा जल्द ही चुनिंदा देशों में शुरू की जाएगी, हालांकि अभी तक उन देशों के नाम या कीमतों का खुलासा नहीं किया गया है। व्हाट्सएप के प्रमुख कुणाल शाह ने इसे ई-सिम क्षेत्र में कंपनी का शुरुआती अन्वेषण बताया है, जिसका उद्देश्य कहीं भी व्हाट्सएप के निर्बाध कार्य को सुनिश्चित करना है। दुनिया भर में तीन अरब से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, यह सुविधा अंतरराष्ट्रीय यात्रा को काफी सरल बना सकती है और कनेक्टिविटी के अनुभव को बेहतर बनाएगी।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चेस... कोलकाता में जनवरी 2027 में सजेगा ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं। 'सिटी ऑफ जॉय' कहलाने वाले कोलकाता में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। 7 से 10 जनवरी 2027 तक यहां एक बड़ा ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें कई शीर्ष शतरंज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चार दिवसीय टूर्नामेंट में रैपिड और ब्लिट्ज दोनों फॉर्मेट शामिल होंगे। इसका आयोजन कोलकाता के 'धोनो धान्यो ऑडिटोरियम' में किया जाएगा। 'टाटा स्टील चेस इंडिया' दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने, उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और खेल प्रेमियों को एक शानदार माहौल में जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। शतरंज के साथ कोलकाता के पुराने और गहरे जुड़ाव तथा इस खेल के प्रति यहां बढ़ते उत्साह को देखते हुए, यह इवेंट भारतीय शतरंज कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं।



टेनिस... एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 70वीं जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर में एक और यादगार अध्याय जोड़ा है। वह इस सदी के 12वें खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में कम से कम 70 टूर-लेवल जीत दर्ज की हैं।

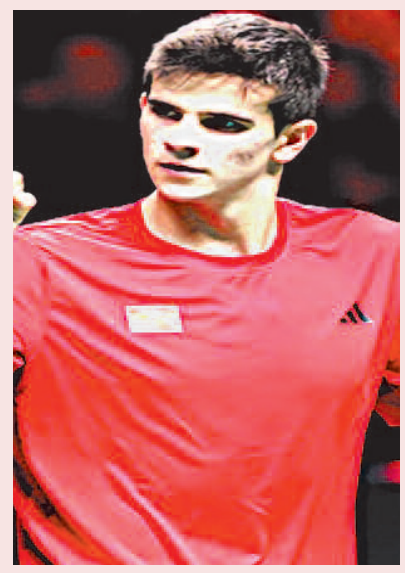
उन्होंने गुरुवार को बोलोग्ना में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जर्मनी के डेविस कप फाइनल्स क्वार्टर-फाइनल में आर्थर फेरी पर सीधे सेटों में जीत के साथ यह मुकाम हासिल किया। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इस उपलब्धि के साथ खुद को पुरुष टेनिस के महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर लिया है। रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी अपने बेहतरीन सीजन में 70 या उससे अधिक मैच जीत चुके हैं। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। 2026 का सीजन अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए बेहद यादगार रहा।



क्रिकेट... पीसीबी ने किया महिला टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2026/27 सीजन के लिए आठ महिला क्रिकेटर्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की है, जिसमें कप्तान फातिमा सना और सीनियर स्पिनर सादिया इकबाल को ए कैटेगरी में रखा गया है। 25 साल की फातिमा को बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए इनाम मिला है। वह हाल ही में इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' और ऑस्ट्रेलिया में 'विमेंस बिग बैश' में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर बनीं। इस बीच, सादिया ने पाकिस्तान की टॉप परफॉर्मर में अपनी जगह बनाए रखी है। बाएं हाथ की स्पिनर पहले आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर रह चुकी है। मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा संधू और सिदरा अमीन को सभी फॉर्मेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और योगदान के लिए कैटेगरी बी में रखा गया है। गुल फिरोजा और सदफ शमास की ओपनिंग जोड़ी को अनुभवी खिलाड़ी आयशा जफर के साथ कैटेगरी सी में शामिल किया गया है। उनका शामिल होना उनके हाल के घरेलू और इंटरनेशनल प्रदर्शन के साथ-साथ टीम की भविष्य की जरूरतों को दिखाता है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'कॉन्ट्रैक्ट 30 जून, 2027 तक चलेंगे। खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कैटेगरी तय की गई हैं। फिटनेस असेसमेंट रेगुलर किए जाएंगे।





स्पेन ने कटाया डेविस कप के सेमीफाइनल का टिकट, ऑस्ट्रिया को दी शिकस्त

बोलोग्ना (इटली), एजेंसी। स्पेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर डेविस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम की जीत की नींव डेनियल मेरिडा ने रखी, जिन्होंने पहला मुकाबला जीतकर स्पेन को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद राफेल जॉडार ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछड़ने के बावजूद वापसी की और अपना मैच जीतकर स्पेन की टाई में जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ स्पेन ने कुल मिलाकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की और सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एटीपी फाइनल्स में अपनी सफलता के बाद मौजूद रहे कार्लोस अल्काराज को कोर्ट पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि स्पेन का शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ आखिरी-चार का मुकाबला होना था। मेरिडा ने शुरुआती सिंगल्स मुकाबले में जोएल श्वार्जलर पर 6-4, 6-4 की शांत जीत के साथ स्पेन की जीत की नींव रखी। फिर जॉडार ने यह पक्का किया कि निर्णायक डबल्स मैच की जरूरत न पड़े, और जुरिज रोडियोनोव के खिलाफ 2-6, 6-0, 6-1 से शानदार जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद 20 साल के खिलाड़ी का जवाब खास तौर पर शानदार था, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रिया को हराने के लिए आखिरी 13 में से 12 गेम जीते। उनकी पहली सर्विस की काबिलियत अहम साबित हुई, जिसमें रोडियोनोव के साथ अपनी पहली एटीपी मीटिंग में जॉडार ने अपनी पहली डिलीवरी के बाद 94 प्रतिशत (63/67) पॉइंट जीते।

यूरोपा लीग... बॉर्नमाउथ ने सेल्टा विगो को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बॉर्नमाउथ ने यूईएफए यूरोपा लीग में सेल्टा विगो को 2-1 से हराया। टीम ने पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की और लगातार पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ का सभी प्रतियोगिताओं में जीत का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया है। बॉर्नमाउथ ने पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया और यूईएफए प्रतियोगिता के अपने पहले पांच मुकाबले जीतने वाला सिर्फ पांचवां क्लब बन गया है। सेल्टा विगो ने बढ़त तब हासिल की जब अनुभवी फॉरवर्ड इयागो एस्पास ने गोल किया। इससे कुछ देर पहले उनकी शानदार ओवरहेड किक को गोलकीपर मिशेल डि ग्रेगोरियो ने बचा लिया था, लेकिन 39 वर्षीय खिलाड़ी ने बाद में पोस्ट के अंदर की ओर सटीक शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। बाफोडे डायकाइट के बाहर होने से बॉर्नमाउथ को झटका लगा, लेकिन टीम ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही वापसी कर ली। अमीन एडली के शानदार पास पर अल्वारो रोड्रिगेज ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सब्स्टीट्यूट रेयान ने इस अभियान का अपना चौथा गोल दागते हुए बॉर्नमाउथ को बढ़त दिलाई और मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल कर लिए हैं और 36 टीमों की स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं, सेल्टा विगो की टीम सिर्फ तीन अंकों के साथ 32वें स्थान पर मौजूद है। वहीं, इटली की बड़ी टीमें एसी मिलान और जुवेंटस, दोनों ने मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अहम जीत हासिल की। ओमारी हचिंसन के शानदार प्रदर्शन ने मिलान को एथेंस में ओलंपियाकोस के खिलाफ 2-0 से पिछड़ने के बाद 4-2 से आगे निकलने में मदद की।

ओलंपियाकोस लीग चरण में अपने अपराजित अभियान को जारी रखने की ओर बढ़ रहा था। पहले हाफ में माइक मेगनन के आत्मघाती गोल और ब्रेक के तुरंत बाद जोआओ सिल्वा के शानदार गोल की बदौलत ग्रीक क्लब ने मजबूत बढ़त बना ली थी। हालांकि, एलेक्स हचिंसन ने अपने ही हाफ से शानदार सोलो रन लगाकर एसी मिलान की वापसी की उम्मीद जगाई। इसके बाद इंग्लिश विंगर ने अल्फाजो सिसे के लिए सटीक क्रॉस दिया, जिस पर बैक पोस्ट पर हेडर से गोल हुआ। फिर क्रिश्चियन पुलिसिक ने भी इसी तरह के मूव पर शानदार वॉली लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।स्टॉपेज टाइम में डिएगो मोरेरा ने काउंटर-अटैक पर गोल दागकर एसी मिलान की जीत पक्की कर दी। इस नतीजे के साथ मिलान ने ओलंपियाकोस के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। इस बीच, एंड्रिया कैम्बियासो के शानदार बराबरी वाले गोल की मदद से जुवेंटस ने ट्यूरिन में ओमोनिया के खिलाफ 4-1 से बड़ी जीत हासिल की। लुबोमिर सतका ने कॉर्नर से ओमोनिया को बढ़त दिलाई, लेकिन कैम्बियासो ने दूर से गोल किया और जेफ एकाटोर ने बॉक्स के अंदर से गोल करके मेजबान टीम को हाफ-टाइम में बढ़त दिला दी।दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए, जुवेंटस ने अपनी बढ़त तब और बढ़ा ली जब फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने थॉमस कामिंस्की के शुरुआती शॉट को बचाने के बाद गोल किया और जेरेमी बोगा के बॉक्स के किनारे से किए गए शानदार फिनिश से चौथा गोल दागा।



यकीन करना मुश्किल है कि फिर सिराज को बाहर कर दिया

मोहम्मद कैफ तेज गेंदबाज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई है। टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर भारत के पूर्व क्रिकेटर्स ने नाराजगी जताई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश दिखाई दिए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'यकीन करना मुश्किल है कि भारत के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक मोहम्मद सिराज को फिर से बाहर कर दिया गया है। सिराज को बुमराह के साथ भारत के विदेशी टेस्ट बॉलिंग अटैक में सबसे पहले चुना जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने खुद सिराज को वर्ल्ड-क्लास बॉलर कहा था और बताया था कि वह अच्छी बॉलिंग कर रहे हैं।' वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने लिखा, 'एक बार फिर मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली।' मुनाफ ने अपने एक और ट्वीट में मौजूदा बॉलिंग अटैक पर भी सवाल खड़े किए।*

उन्होंने लिखा, 'चलो, कोई बात नहीं अगर आप मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी को नहीं देख रहे हैं, लेकिन आपकी अगली बॉलिंग यूनिट कहां है, जो मैच जिताने में माहिर हो? '

क्रिकेट विशेषज्ञ और कमेंटेटर हर्षा भोगले ने अपने एक्स अकाउंट पर सिराज को लेकर लिखा, 'सिराज अब भारत के छठे रैंक वाले तेज गेंदबाज हैं। मुझे यह बहुत गलत लगता है। इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में टेस्ट क्रिकेट में टॉप 5 विकेट लेने वालों में भारत के पास अब सिर्फ बुमराह के लिए जगह है। आप चाहते हैं कि बॉलर अच्छे से चुने जाएं, उनके पास बॉलिंग के लिए बेहतरीन कंडीशन हैं, लेकिन उन्हें पता होगा कि जब उनकी बारी आएगी तो उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। '

मोहम्मद सिराज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा साइकिल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह इस साइकिल में अब तक 43 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। सिराज को इस साल सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला है और इस दौरान उन्होंने 5 विकेट चटकाए हैं। साल 2020 में डेब्यू करने के बाद यह पहला मौका है, जब सिराज किसी विदेशी टेस्ट सीरीज में बिना कोई मैच खेले लौटेंगे।

इंडिया-न्यूजीलैंड टेस्ट



क्राइस्टचर्च टेस्ट में पहला दिन समाप्त....

न्यूजीलैंड का स्कोर 246/5 आकाशदीप की शानदार गेंदबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है. मुकाबले में पहले दिन (27 नवंबर) स्टम्प तक न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 246 रन बना लिए. टॉम ब्लंडेल 53 और ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर नॉटआउट हैं. भारत की ओर से आकाश दीप ने दो विकेट झटके हैं.

इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज को फिर मौका नहीं मिला. प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बरार खेल रहे हैं. बरार का यह पहला टेस्ट मैच है.

पहली पारी में ऐसी रही है न्यूजीलैंड की बैटिंग

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने पहली पारी में दमदार शुरुआत की. कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए 77 रनों की पार्टनरशिप की. अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे गुरनूर बरार ने खतरनाक दिख रहे कॉन्वे को 31 रनों के निजी पर आउट कर पवेलियन भेजा. ये विकेट पहले दिन लंच से पहले आखिरी गेंद पर गिरा. लंच के टॉम लैथम ने अपनी फिफ्टी पूरी की. लैथम ने 128 गेंदों पर 59 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे. लैथम का विकेट आकाश दीप ने लिया. फिर अंशुल कम्बोज ने हेनरी निकोल्स (16 रन) को आउट कर भारत को तीसरी कामयाबी दिलाई. 110 के स्कोर पर ही न्यूजीलैंड का एक और विकेट गिरा, जब आकाश दीप के बिछाए जाल में रचिन रवींद्र (0 रन) फंस गए.यहां से टॉम ब्लंडेल और डेरिल मिचेल ने पांचवें विकेट के लिए 74 रन जोड़कर मेजबान टीम को संभाला. मिचेल 31 रनों के निजी स्कोर वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने, जिसके चलते ये साझेदारी टूटी. मिचेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने टॉम ब्लंडेल संग मोर्चा संभाला. दोनों ने छठे विकेट के लिए नाबाद 62 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को पहले दिन के खेल में कोई और नुकसान नहीं होने दिया.

33 मैच, 33 अलग मैदान... टेस्ट क्रिकेट में बनाया अनोखा रिकॉर्ड

सचिन से भी आगे निकले यशस्वी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में एक दुर्लभ उपलब्धि अपने नाम की है. यशस्वी अपने शुरुआती 33 टेस्ट मैच अलग-अलग मैदानों पर खेलने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए. उनसे पहले यह कारनामा भारत के संजय मांजरेकर ने किया था. न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट में उतरते ही उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया.

यशस्वी जायसवाल ने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में टेस्ट डेब्यू किया था. तब से उनके सभी 33 मुकाबले अलग-अलग वेन्यू पर हुए हैं. मांजरेकर ने भी अपने शुरुआती 33 टेस्ट 33 मैदानों पर खेले थे.

यशस्वी ने सचिन को पछाड़ा

यशस्वी जायसवाल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से आगे निकल गए हैं. मास्टर ब्लास्टर सचिन ने अपने शुरुआती 32 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले थे. पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ और वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन ने अपने पहले 24-24 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे.यशस्वी जायसवाल ने अब तक सात टीमों के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेला है. इनमें इंग्लैंड के खिलाफ 10, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच-पांच, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ चार-चार, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ दो-दो तथा अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुकाबला शामिल है.यशस्वी जायसवाल के पास 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा. नागपुर में 21 से 25 जनवरी तक होने वाले मुकाबले में खेलने पर उनका यह सिलसिला 34 मैचों तक पहुंच जाएगा.हालांकि, इसके बाद यह क्रम टूट सकता है. सीरीज के अगले चार टेस्ट चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे. यशस्वी जायसवाल इन सभी मैदानों पर पहले ही टेस्ट मुकाबले खेल चुके हैं. ऐसे में नागपुर के बाद चेन्नई में उतरते ही उनका रिकॉर्ड बनाने का सफर थम जाएगा.

जयदेव उनादकट ने टी20 में रचा इतिहास

11वें नंबर पर खेली सबसे बड़ी पारी; 22 साल बाद टूटा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड



नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के 7वें चरण के मैच में एक विश्व कीर्तिमान बना। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बना तमिलनाडु और सौराष्ट्र के मुकाबले में। इस मैच में सौराष्ट्र के 11वें नंबर के खिलाड़ी और भारत के लिए खेल चुके जयदेव उनादकट ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 11वें नंबर पर आते हुए 26 गेंद पर 40 रनों की पारी खेली। यह टी20 क्रिकेट के इतिहास में 11वें नंबर के बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी रही। आपको बता दें कि उन्होंने 22 साल पुराना ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले टी20 में 11वें नंबर पर सबसे बड़ी नाबाद 24 रन की पारी ऑस्ट्रेलिया में जन्मे एमएफ क्लीरी ने इंग्लैंड के एक घरेलू टी20 मैच में खेली थी। उन्होंने लीसेस्टर के लिए डरहम के खिलाफ नाबाद 24 रन 7 जुलाई 2004 को बनाए थे। अब 22 साल बाद 26 नवंबर 2026 को उनादकट ने यह रिकॉर्ड तोड़ा और नंबर 1 पर काबिज हो गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



टमाटर की खेती

भारत में मटर 7.9 लाख हेक्टेयर भूमि में उगाई जाती है। इसका वार्षिक उत्पादन 8.3 लाख टन एवं उत्पादकता 1029 किग्रा./हेक्टेयर है। मटर उगाने वाले प्रदेशों में उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। उत्तरप्रदेश में 4.34 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मटर उगाई जाती है, जो कुल राष्ट्रीय क्षेत्र का 53.7% है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश में 2.7 लाख हे., उड़ीसा में 0.48 लाख., बिहार में 0.28 लाख हे. क्षेत्र में मटर उगाई जाती है।



उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी – मटर की खेती विभिन्न प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है, फिर भी गंगा के मैदानी भागों की गहरी दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी रहती है। मटर के लिए भूमि को अच्छी तरह तैयार करना चाहिए। खरीफ की फसल की कटाई के बाद भूमि की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल करके 2–3 बार हैरो चलाकर अथवा जुताई करके पाटा लगाकर भूमि तैयार करनी चाहिए। धान के खेतों में मिट्टी के ढेलों को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए। अच्छे अंकुरण के लिए मिट्टी में नमी होना जरुरी है।

फसल पद्धति– सामान्यतः मटर की फसल, खरीफ ज्वार, बाजरा, मक्का, धान और कपास के बाद उगाई जाती है। मटर, गेंहूँ और जौ के साथ अंत : पसल के रूप में भी बोई जाती है। हरे चारे के रूप में जई और सरसों के साथ इसे बोया जाता है। बिहार एवं पश्चिम बंगाल में इसकी उतेरा विधि से बुआई की जाती है।

बीजोपचार – उचित राजोबियम संवर्धक (कल्चर) से बीजों को उपचारित करना उत्पादन बढ़ाने का सवसे सरल साधन है। दलहनी फसलों में वातावरणीय नाइट्रोजन के स्थिरीकरण करने की क्षमता जड़ों में स्थित ग्रंथिकाओं की संख्या पर निर्भर करती है और यह भी राइजोबियम की संख्या पर भी निर्भर करता है। इसलिए इन जीवाणुओं का मिट्टी में होना जरुरी है। क्योंकि मिट्टी में जीवाणुओं की संख्या पर्याप्त नहीं होती है, इसलिए राईजोबियम संवर्धक से बीजों को उपचारित करना जरूरी है।



राईजोबियम से बीजों को उपचारित करने के लिए उपयुक्त कल्चर का एक पैकेट (250 ग्राम) 10 किग्रा. बीज के लिए पर्याप्त होता ही। बीजों को उपचारित करने के लिए 50 ग्राम गुड़ और 2 ग्राम गोंद को एक लीटर पानी में घोल कर गर्म करके मिश्रण तैयार करना चाहिए। सामान्य तापमान पर उसे ठंडा होने दें और ठंडा होने के बाद उसमें एक पैकेट कल्चर डालें और अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण में बीजों को डालकर अच्छी तरह से मिलाएं, जिससे बीज के चारों तरफ इसकी लेप लग जाए। बीजों को छाया में सुखाएं और फिर बोयें। क्योंकि राइजोबियम फसल विशेष के लिए ही होता है, इसलिए मटर के लिए संस्तुत राईजोबियम का ही प्रयोग करना चाहिए। कवकनाशी जैसे केप्टान, थीरम आदि भी राईजोबियम कल्चर के अनुकूल होते हैं। राइजोबियम से उपचारित करने के 4–5 दिन पहले कवकनाशियों से बीजों का शोधन कर लेना चाहिए।

बुआई के समय– मटर की बुआई मध्य अक्तूबर से नवम्बर तक की जाती है जो खरीफ की फसल की कटाई पर निर्भर करती है। फिर भी बुआई का उपयुक्त समय अक्तूबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर का प्रथम सप्ताह है।

बीज–दर, दूरी और बुआई– बीजों के आकार और बुआई के समय के अनुसार बीज दर अलग–अलग हो सकती है। समय पर बुआई के लिए 70–80 किग्रा. बीज/हे. पर्याप्त होता है। पछेती बुआई में 90 किग्रा./हे.बीज होना चाहिए। देशी हल जिसमें पोरा लगा हो या सीड ड्रिल से 30 सेंमी. की दूरी पर बुआई करनी चाहिए। बीज की गहराई 5–7 सेंमी. रखनी चाहिये जो मिट्टी की नमी पर निर्भर करती है। बौनी मटर के लिए बीज दर 100 किलोग्राम/हे. उपयुक्त है।

उर्वरक – मटर में सामान्यत: 20 किग्रा, नाइट्रोजन एवं 60 किग्रा. फास्फोरस बुआई के समय देना पर्याप्त होता है। इसके लिए 100–125 किग्रा. डाईअमोनियम फास्फेट (डी, ए,पी) प्रति हेक्टेयर दिया जा सकता है। पोटेशियम की कमी वाले क्षेत्रों में 20 कि.ग्रा. पोटाश (म्यूरेट ऑफ़ पोटाश के माध्यम से) दिया जा सकता है। जिन क्षेत्रों में गंधक की कमी हो वहाँ बुआई के समय गंधक भी देना चाहिए। यह उचित होगा कि उर्वरक देने से पहले मिट्टी की जांच करा लें और कमी होने पर उपयुक्त पोषक तत्वों को खेत में दें।

सिंचाई– प्रारंभ में मिट्टी में नमी और शीत ऋतु की वर्षा के आधार पर 1–2 सिंचाइयों की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई फूल आने के समय और दूसरी सिंचाई फलियाँ बनने के समय करनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हल्की सिंचाई करें और फसल में पानी ठहरा न रहे।

खतपतवार नियंत्रण – खरपतवार फसल के निमित्त पोषक तत्वों व जल को ग्रहण का फसल को कमजोर करते हैं और उपज के भारी हानि पहुंचाते हैं। फसल को बढ़वार की शुरू की अवस्था में खरपतवारों से अधिक हानि होती है। अगर इस दौरान खरपतवार खेत से नहीं निकाले गये तो फसल की उत्पादकता बुरी तरह से प्रभावित होती है। यदि खेत में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार, जैसे–बथुआ, सेंजी, कृष्णनील, सतपती अधिक हों तो 4–5 लीटर स्टाम्प–30 (पैंडीमिथेलिन) 600–800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से घोलकर बुआई के तुरंत बाद छिड़काव कर देना चाहिए। इससे काफी हद तक खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट प्रबन्धन

रोग

रतुआ – इस रोग के कारण जमीन के ऊपर के पौधे के सभी अंगों पर हल्के से चमकदार पीले (हल्दी के रंग के) फफोले नजर आते हैं। पत्तियों की निचली सतह पर ये ज्यादा होते हैं। कई रोगी पत्तियाँ मुरझा कर गिर जाती है। अंत में पौधा सुखकर मर जाता है। रोग के प्रकोप से सें संकुचित व छोटे हो जाते हैं। अगेती फसल बोने से रोग का असर कम होता है। अवरोधी प्रजाति मालवीय मटर 15 प्रयोग करें।

आर्द्रजड़ गलन– इस रोग से प्रकोपित पौधों की निचली पत्तियाँ हल्के पीले रंग की हो जाती है। पत्तियाँ नीचे की ओर मुड़कर सुखी और पीली पड़ जाती है। तनों और जड़ों पर खुरदरे खुरंट से पड़ जाते हैं। यह रोग जड़–तंत्र सड़ा डालता है। यह रोग मृदा जनित है। रोग की बीजाणु वर्षों तक मिट्टी में जमे रहते हैं। हवा में 25 से 50% की अपेक्षित आर्द्रता और 22 से 32 डिग्री में सेल्सियस दिन का तापमान रोग पनपने में सहायक होता है। रोगग्राही फसल को उसी खेत में हर साल न उगाएँ। बीज का उपचार करने के लिए कार्बेन्ड़ाजिम 1 ग्राम + थीरम 2 ग्राम मात्रा एक किग्रा. बीज में मिलाएं। फसल की अगेती बुआई से बचें तथा सिंचाई हल्की करें।

चांदनी रोग– इस रोग से पौधों पर एक से.मी. व्यास के बड़े–बड़े गोल बादामी और गड्ढे वाले दाग पीजे जाते हैं। इन दागों के चारों ओर गहरे रंग की किनारों भी होती है। तने पर घेरा बनाकर यह रोग पौधे के मार देता है। रोग मुक्त बीज ही बोयें 3 ग्राम थीरम दवा प्रति किग्रा. बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार करें।

तुलासिता/रोमिल फफूंद– इस रोग के कारण पत्तियों की ऊपरी सतह एप पीले और ठीक उनके नीचे की सतह पर रुई जैसी फफूंद छा जाती है और रोगग्रस्त पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पत्तियाँ समय से पहले ही झड़ जाती है। संक्रमण अधिक होने पर 0.2% मौन्कोजेब अथवा जिनेब का छिड़काव 400–800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से करनी चाहिए।

पौध/मूल विगलन– जमीन के पास के हिस्से से नये फूटे क्षेत्रों पर इस रोग का प्रकोप होता है। तना बादामी रंग का होकर सिकुड़ जाता है, जिसकी वजह से पौधे मर जाते हैं। 3 ग्रा. थीरम+1 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें खेत का जल निकास ठीक रखें। संक्रमित खेती में अगेती बुआई न करें।

कीट



तना मक्खी – ये पूरे देश में पाई जाती है। पत्तियों, डंठलों अरु कोमल तनों में गांठें बनाकर मक्खी उनमें अंडे देती है। अंडों देती है। अंडों से निकली सड़ी पत्ती के डंठल या कोमल तनों मने सुरंग बनाकर अंदर–अंदर खाती है, जिससे नये पौधे कमजोर होकर झुक जाते हैं और पत्तियों पीली पड़ जाती है। पौधों की बढ़वार रुक जाती है। अंतत : पौधे मर जाते हैं।

मांहू (एफिड) – कभी–कभी मांहू भी मटर की फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। इनके बच्चे और वयस्क दोनों ही पौधे का रस चूसने में सक्षम होते हैं। यह रस ही नहीं चूसते, बल्कि जहरीले तत्व भी छोड़ देते हैं। इसका भारी प्रकोप होने पर फलियाँ मुरझा जाती हैं। अधिक प्रकोप होने पर फलियाँ सुख जाती है। मांहू मटर एक वायरस (विषाणु) को फैलाने में भी उसके वाहक बनकर सहायता करती है।

मटर का अधफंदा (सेमीलूपर) – यह मटर का साधारण कीट है। इसकी गिड़ारें पत्तियाँ खाती है। पर कभी–कभी फूल और कोमल फलियों को भी खा जाती हैं। चलते समय यह शरीर के बीचोबीच फंदा सा बनाती है, इसलिए इसका नाम अधफंदा या सेमिलुपर पड़ा। जहाँ पर तना मक्खी या पटसुरंगा या मांहू का प्रकोप हो, वहाँ 2% फोरेट से बीज उपचार करें या 1 किग्रा. फोरेट प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की मिट्टी में बुआई के समय मिला दें। आवश्यकता होने पर पहली निकलने की अवस्था में फसल पर 0.03% डामेथोएट 400 से 500 लीटर पानी में मिलाकर घोल कर प्रति हेक्टेयर छिड़कें। जहाँ बुआई के समय मिट्टी में दवा न मिला पाए हों, वहाँ कीट के प्रकोप के अनुसार कीटनाशी दवा का छिड़काव करें। कटीला फली भेदक (एटीपेला) – यह फली भेदक उत्तर भारत में अधिक पाया जाता है। अगेती किस्म के अपेक्षा पछेती प्रजातियों पर इसका अधिक प्रकोप होता है। इसी तरह देर से बोई गयी फसल में जल्दी बोई गयी फसल की तुलना में अधिक हानि होती है। फली और अंखुबड़ी के जोड़ वाली जगह पर या फली की सतह पर यह पंतगा अंडे देता है। अंडे से निकलते ही इसके नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए। कटाई और मड़ाई – मटर की फसल सामन्यत : 130–150 दिनों में पकती है। इसकी कटाई दरांती से करनी चाहिए 5–7 दिन धुप में सुखाने के बाद बैलों से मड़ाई करनी चाहिए। साफ दानों को 3–4 दिन धूप में सुखाकर उनको भंडारण पात्रों (बिन) में करना चाहिये। भंडारण के दौरान कीटों से सुरक्षा के लिए एल्युमिनियम फोस्फाइड का उपयोग करें।

सर्दियों के टमाटर के लिए अभी से करें बिजाई

टमाटर विश्व में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाली सब्जी है। भारतीय पाक–पकवानों में टमाटर का विशेष महत्व है। इसे सब्जी बनाने से लेकर, सलाद में, सूप के तौर पर, चटनी के रूप में और यहां तक की ब्यूटी प्रोडक्ट के रूप में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन, विटामिन, पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है. साथ ही इसमें कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले तत्व भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं। टमाटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि टमाटर को पका देने के बाद भी उसके पोषक तत्व बने रहते हैं। टमाटर की अधिक पैदावार के लिए किसान निम्नलिखित उन्नत तकनीकें अपनाएं।

उन्नत किस्में : हिसार अरुण, हिसार ललित, हिसार लालिमा

बिजाई : टमाटर की मुख्य उपयुक्त किस्में सर्दी के लिए जून से मध्य जुलाई तक बोई जा सकती हैं और वसंत के लिए नवंबर से दिसम्बर तक बोई जा सकती हैं।

बीज की मात्र व बिजाई का तरीका : यदि फसल जून में बो रहे है तो 400–500 ग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब से बोये। नवंबर में 200 ग्राम बीज प्रति एकड़ बोयें।

बीज उपचार : बीज जनित रोगों से बचाने के लिए थायिरम या कैप्टान 2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज के दर से उपचार करना लाभदायक है।

नर्सरी स्थापना : सर्दी में तैयार होने वाले टमाटर के लिए 3म1 मीटर के 40 बेड प्रति एकड़ और वसंत में होने वाले टमाटर के लिए 15 बेड प्रति एकड़ तैयार करें। गर्मी में लगने वाली पोध 4 हफ्ते और सर्दी में लगने वाली 8–10 हफ्ते में तैयार हो जाती है।

रोपाई : रोपाई का सही समय तब होता है जब पौध में 5–6 पत्तियां निकल आये।

खाद एवं उर्वरक : टमाटर की अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए खाद एवं उर्वरक का सही मात्रा में प्रयोग अनिवार्य है। बीज की तैयारी करते समय खेत में अंतिम जुताई के बाद 20–25 टन खाद प्रति एकड़ के हिसाब से मिलायें। टमाटर की अच्छी पैदावार के लिए अंतिम जुताई के समय उसमे 20 किलो पोटाश और 25 किलो फोस्फोरस मिलाए और 40 किलो नाइट्रोजन का तीसरा भाग प्रति एकड़ के हिसाब से मिलायें। बचा हुआ नाइट्रोजन बराबर मात्र में एक चार हफ्ते बाद और एक उसके एक महीने बाद मिलायें।

सिंचाई : पहली सिंचाई रोपाई के बाद दें और उसके बाद हर 8–10 के भीतर सिंचाई करें जब तक टमाटर की फसल तैयार न हो जाये।

निराई गुडाई : टमाटर में खरपतवार का नियंत्रण करना अनिवार्य है यदि आप अच्छी पैदावार चाहते हैं तो नियंत्रण के लिए एक बार 20 से 25 दिन में निराई गुडाई करे और दूसरी 40 से 45 दिन में आवश्यक है।

कटाई का समय : जब टमाटर पर लाल पीली धारियां सी पड़ने लगे तो समझ लीजिये क आपकी फसल तैयार है। यदि टमाटर कही दूर बाजार में बेचने हो तो जब वो थोड़े हरे हो तभी उन्हें तोड़ लें।

फल फटने की समस्या और कारण

ठंड के मौसम में टमाटर के फल फटने की समस्या अक्सर होती है, जो उत्पादन में कमी का कारण बनती है। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. पुनीत कुमार पाठक के अनुसार, यह समस्या सूखा पड़ने या बोरान की कमी के कारण होती है। इसके अलावा, ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती करने से भी यह समस्या बढ़ सकती है।



सर्दी और बारिश से टमाटर की फसल पर असर

खराब मौसम, खासकर सूखा पड़ने के बाद अचानक बारिश होने से टमाटर में फल फटने की समस्या उत्पन्न होती है। इसके लिए किसानों को सूखा पड़ने पर भी नियमित सिंचाई करनी चाहिए, ताकि बारिश के बाद फल फटने की समस्या कम हो सके।

बोरान की कमी और समाधान

टमाटर में फल फटने की समस्या बोरान की कमी के कारण होती है। इसे रोकने के लिए किसान मिट्टी में 20–25 किलोग्राम बोरान मिला सकते हैं और 0.25% बोरेक्स का घोल टमाटर के पौधों पर छिड़क सकते हैं। इसे 2–3 बार छिड़कने से फल फटने की समस्या रोकी जा सकती है।

ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से बचें

ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से फल फटने की समस्या ज्यादा होती है। इसलिए, किसानों को ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से बचना चाहिए, ताकि वे इस समस्या से बच सकें और बेहतर उत्पादन पा सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वडोदरा वायुसेना स्टेशन पर हमले की साजिश नाकाम, जैश का संदिग्ध गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन पर हमले की बड़ी साजिश को नाकाम कर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सहरुल इस्लाम कबीरुद्दीन को हलोल-वडोदरा रोड पर एक होटल के पास से पकड़ा गया। एटीएस के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने बताया कि विभिन्न खुफिया माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार संदिग्ध के पास से एक असॉल्ट राइफल (जिसके एके-47 होने का संदेह है), 23 कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का एक झंडा, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी को वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन के गेट पर हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था। उसके मोबाइल फोन से स्टेशन की तस्वीरें भी मिली हैं, जो इस साजिश की पुष्टि करती हैं। आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बगड़टोली ने रचा इतिहास : 2027 जनगणना के लिए 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के राजस्व गांव बगड़टोली ने जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जिला का पहला गांव बन गया है जिसने 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी कर राष्ट्रीय अभियान के लिए मिसाल कायम की है। राज्य सरकार ने इस उपलब्धि की जानकारी दी।

पिथौरागढ़ के तहसीलदार विजय गोस्वामी ने बताया कि गांव को स्व-गणना के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया था, लेकिन प्रगणक कलावती धरियाल ने कार्य मात्र 10 दिनों में ही संपन्न किया। गांव के कुल 18 परिवारों के 77 सदस्यों ने जनगणना के लिंक का उपयोग कर सभी 100 प्रश्नों के उत्तर सफलतापूर्वक दिए। बगड़टोली के ग्राम प्रधान राहुल कुमार ने प्रगणक धरियाल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कलावती ने उन्हें साथ लेकर ग्रामीणों को स्व-गणना के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप गांव के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। बगड़टोली की यह उपलब्धि आगामी जनगणना अभियान के लिए अन्य गांवों को भी प्रेरणा देगी।

मकोका मामले में आप के पूर्व विधायक बाल्यान को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में जमानत दे दी है। बाल्यान पर कुख्यात बदमाश कपिल सांगवान द्वारा कथित तौर पर संचालित गिरोह की गतिविधियों में मदद करने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली बाल्यान की याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें जमानत देने से इंकार किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, बाल्यान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल आप के पूर्व विधायक हैं और करीब दो साल से जेल में बंद राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध कर कहा कि बाल्यान एक संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा थे, जिसके खिलाफ 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि बाल्यान और कुख्यात बदमाश सांगवान के बीच हुई बातचीत दोनों के बीच सक्रिय आपराधिक सांठगांठ दिखाती है। अदालत ने राजनीतिक प्रतिशोध के उनके दावे को महज हवाई बातें और पूरी तरह अप्रमाणित बताया था। उच्च न्यायालय ने पुलिस द्वारा जुटाई गई सामग्री के व्यापक आकलन का हवाला देकर बाल्यान और अपराध गिरोह के अन्य सदस्यों के बीच स्पष्ट संबंध का उल्लेख किया था।

राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को लेकर केंद्र सरकार ने बुलाया चार दिवसीय विशेष सत्र

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चार दिवसीय संसद सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा कर बताया कि इस सत्र में महत्वपूर्ण सरकारी कार्य और विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इन महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा करें और संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें।

आगामी सत्र 30 नवंबर और 1 दिसंबर को लोकसभा में शुरू होगा, जहां आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जाएगा। इसके उपरांत, वहीं महत्वपूर्ण कार्य 2 और 3 दिसंबर को राज्यसभा में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को विधिवत पत्र भेज दिया है।

कुछ सांसदों और मीडिया आउटलेट्स द्वारा की गई आलोचनाओं को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इसतरह के हल्के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब भी कोई महत्वपूर्ण विधेयक या देशहित का कार्य होता है, केंद्र सरकार संसद का सत्र बुला सकती है, और यह एक स्थापित संसदीय परंपरा है। उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जहाँ पिछले सत्र को स्थगित किए बिना भी विशेष सत्र बुलाए गए हैं, यह दिखाता है कि यह संसदीय लोकतंत्र में कोई नई या असामान्य बात नहीं है। उनका मानना है कि जब केंद्र सरकार एक विशेष सत्र बुलाती है, तब इसका अर्थ ही कुछ विशेष, राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करना होता है। केंद्रीय मंत्री ने सभी दलों के नेताओं और सांसदों से पूरे दिल से अनुरोध किया कि वे लाए जाने वाले सभी विधेयकों पर अच्छी और गहन चर्चा करें। उन्होंने कहा कि सहमति या असहमति लोकतंत्र का अभिन्न अंग है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि विशेष सत्र चलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने याद दिलाया कि देश के लोग संसद में होने वाली बहसों को सुनते हैं और भविष्य में उन्हें याद रखने वाले है। उन्होंने कहा कि संसद को सुचारु रूप से चलाना हम सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को मजबूत करती है।

हालांकि, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सत्र में पेश होने वाले विशिष्ट विधेयकों का विवरण अभी साझा नहीं किया, उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार बहुत महत्वपूर्ण कार्य लेकर आ रही है। उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ इसमें अच्छी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि भारतीय लोकतंत्र की स्वस्थ और प्रभावी तस्वीर विश्व के सामने प्रस्तुत हो सके। रिजिजू ने साफ कहा कि सरकार नियमों के तहत ही सत्र बुला रही है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है

ऋतब्रत बनर्जी की नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति रद्द

- कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पीकर का आदेश किया खारिज, 10 दिन में नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने के विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि 3 जून को जारी किया गया स्पीकर का आदेश कानून के प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के



10 दिनों के भीतर दोनों नियुक्तियों पर कानून के मुताबिक नए सिरे से विचार किया जाए। अदालत के फैसले के बाद अब ऋतब्रत बनर्जी और अखरुज्जमां की नियुक्तियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को दोबारा निर्णय लेना होगा। हाईकोर्ट ने यह फैसला तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी खेमे के गठन और उसके बाद की गई नियुक्तियों से जुड़ा है। ऋतब्रत बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर बगावती रुख अपनाते हुए 58 विधायकों के साथ अलग गुट बनाए जाने का दावा किया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 3 जून को उन्हें नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन नियुक्तियों की वैधानिक स्थिति पर विधानसभा अध्यक्ष को फिर से निर्णय लेना होगा।

ताजमहल से निकाली गई नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका ब्रिटेन में होगी नीलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल से ब्रिटिश शासन के दौरान ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी द्वारा निकाली गई एक नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका अगले माह ब्रिटेन में नीलाम होने जा रही है। यह आयताकार पट्टिका उन दो पट्टिकाओं में से एक है, जिन्हें कर्नल पाउनोल फिप्स ने 1816 में आगरा और उसके आसपास की इमारतों की मरम्मत के अधीक्षक के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर एकत्र किया था। इस ऐतिहासिक कलाकृति की अनुमानित कीमत 20,000 से 30,000 पाउंड (करीब 24-36 लाख भारतीय रुपये) आंकी गई है। नीलामी लायन एंड टर्नबुल नीलामीकर्ता द्वारा 9 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह विशेष नीलामी इस्लामिक और भारतीय कला से जुड़ी वस्तुओं को समर्पित होगी। नीलामीकर्ता की ओर से जारी विवरण के मुताबिक, इस संगमरमर की पट्टिका के साथ ताजमहल की एक पुरानी श्वेत-श्याम तस्वीर और दो महत्वपूर्ण पत्र भी संलग्न हैं। इन पत्रों में से एक कर्नल पाउनोल के पोते द्वारा छपवाया गया है, जबकि दूसरा मार्क्वेस ऑफ बाथ द्वारा हाथ से लिखा गया है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हैं। कर्नल के बेटे के संस्मरणों के मुताबिक, उनके पिता को ये वस्तुएं ताजमहल के भूमिगत हिस्से में मिली थीं, और उन्हें लगा था कि इनका इस्तेमाल मुगलकालीन स्मारक की मरम्मत के लिए किया जाना था। कर्नल फिप्स का जन्म 1780 में इंग्लैंड के डेवोन में हुआ था। 17वीं सदी की शुरुआत से ही सैनिकों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले फिप्स 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल सेना में कैडेट के तौर पर शामिल हुए थे। भारत में अपने औपनिवेशिक शासन के दौरान, वह अन्य कार्यों के अलावा, ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक इमारतों की देखभाल की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे, जो उनकी इस खोज की पृष्ठभूमि बनती है। भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल ने 1816 में कर्नल को लोअर प्रोविंसेस में इमारतों का अधीक्षक नियुक्त किया और उन्हें आगरा छोड़कर तत्कालीन कलकत्ता जाना पड़ा। वह और उनका परिवार 1823 में ब्रिटेन लौटा और फिप्स की मृत्यु 1858 में हुई। यह पट्टिका 200 से अधिक वर्षों तक उनके परिवार के संग्रह का हिस्सा बनी रही, जो अब नीलामी के लिए प्रस्तुत की गई है और एक बार फिर इसके मूल स्थान से लिए जाने के इतिहास को उजागर करेगी।

खड़गे ने बुलाई विपक्षी दलों की बैठक, गठबंधन से इतर विपक्षी दलों को भी भेजा न्यौता

-परिसीमन विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद कांग्रेस का आखिरी दांव

नई दिल्ली , एजेंसी । परिसीमन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस ने सरकार के संभावित कदम के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद तेज कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खड़गे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर होगी।



प्रस्तावित बैठक में सरकार की ओर से परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा संसद में पेश किए जाने की स्थिति में संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस का प्रयास है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक मंच पर लाकर सरकार के कदम का संसद के भीतर मजबूती से विरोध किया जाए।

बैठक के लिए 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें द्रमुक (डीएमके), आम आदमी पार्टी (आप) और बीजू जनता दल (बीजेडी) प्रमुख हैं। इसके अलावा एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य विपक्षी दलों से भी समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन दलों को साथ लाने की है, जो 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। पार्टी का मानना है कि यदि डीएमके, बीजेडी, आप और एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य दल एक साझा रणनीति पर सहमत होते हैं तो सरकार के लिए विधेयक को आगे बढ़ाना राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं, सरकार भी इस मुद्दे पर अपनी तैयारी के साथ आगे बढ़ती नजर आ रही है। बैठक में विपक्षी दलों के बीच इसी रणनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

बेंगलुरु: उपमुख्यमंत्री आवास और विधान सौध को उड़ाने की फर्जी धमकी, एक गिरफ्तार

बेंगलुरु,एजेंसी। । बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के आवास और प्रतिष्ठित विधान सौध को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी देने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कार्तिक आर. के रूप में हुई है, जो ब्यादरहल्ली इलाके के बालाजीनगर का निवासी है। यह धमकी पांच नवंबर को दी गई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने ऑटो-रिक्शा बुकिंग ऐप के माध्यम से यह धमकी दी थी। पांच नवंबर की शाम को एक ऑटो-रिक्शा चालक को एप पर पैलेस नगर से राजराजेश्वरी नगर तक की बुकिंग मिली थी। जब चालक ने ग्राहक को लेने के लिए फोन किया, तब कथित तौर पर कार्तिक ने खुद को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर बताया। उसने चालक को गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी को फोन देने को कहा और धमकी दी कि उसने उपमुख्यमंत्री के आवास और विधान सौध में बम लगाए हैं, जो मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने पर फट जाएंगे। पुलिसकर्मी ने तत्काल ऑटो की जांच की और मामले की गंभीरता को समझा। शुरुआत में बीमार रिश्तेदार की देखभाल में व्यस्त होने के कारण चालक तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करा सका। हालांकि, बाद में चालक ने सात नवंबर को सदाशिवनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसी दिन आरोपी कार्तिक आर. को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) (आपराधिक धमकी) और 353(1)(बी) (सार्वजनिक शरारत को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत पाकिस्तान सीमा पर तैनात करेगा पांचवां एस-400 सिस्टम, वायुसेना टीम रूस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत अपनी पश्चिमी सीमा, खासकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने की तैयारी में जुटा है। इसी कड़ी में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) पाकिस्तान से लगी 740 किलोमीटर लंबी एलओसी पर अपना पांचवां एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने जा रही है। अगले महीने, भारतीय वायुसेना की उच्च स्तरीय टीम सिस्टम के प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन के लिए रूस का दौरा करेगी, जिसकी तैनाती फरवरी 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है।

यह महत्वपूर्ण कदम पाकिस्तान और चीन द्वारा अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने की पृष्ठभूमि में उठाया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन 2027 तक पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 लड़ाकू विमान दे सकता है। इसके जवाब में, भारत लंबी दूरी के हथियार और लोइटरिंग म्यूनिशन विकसित करने और खरीदने की योजना बना रहा है, ताकि चीन की पीएल-15 ईलंबी दूरी की मिसाइलों और एचक्यू-9बीई एयर डिफेंस सिस्टम का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी जे-10 लड़ाकू विमानों और स्वीडिश अवाक्स की मदद से करीब 200 किलोमीटर रेंज वाली पीएल-15 ई मिसाइलों का इस्तेमाल किया था, जो इस खतरे की गंभीरता को दिखाता है।

पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को चीन और तुर्किये लगातार बढ़ा रहे हैं। चीन पाकिस्तान को 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां बेच रहा है, जिसकी कीमत 5 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें से एक पनडुब्बी जून 2026 तक पाकिस्तानी नौसेना में शामिल हो चुकी है। तुर्किये पाकिस्तान की अगोस्टा-90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड करने के साथ लंबी दूरी के कामिकेज ड्रोन भी उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त, चीन पाकिस्तान को मिसाइल दागने में सक्षम विंग लूंग-2 ड्रोन पहले ही दे चुका है। अमेरिका भी पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में सहायता कर रहा है, जबकि सऊदी अरब पाकिस्तान को आर्थिक मदद प्रदान कर रहा है। एस-400 ट्रायम्फ, रूस द्वारा विकसित एक बेहद उन्नत मिसाइल सिस्टम है, जो कि 2007 में लांच किया गया था। यह फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों सहित हवा में कई तरह के खतरों को मार गिराने में सक्षम है, और दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है।

भारत के पास वर्तमान में एस-400 की तीन ऑपरेशनल स्क्वाड्रन तैनात हैं। पहली स्क्वाड्रन 2021 में पंजाब में, दूसरी जुलाई 2022 में सिक्किम (चीन सीमा पर) और तीसरी फरवरी 2023 में राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात की गई थी, जो पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत करती है। चौथी स्क्वाड्रन, जिसकी पहली खेप जून 2026 में मिली, असम में तैनात है और अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करती है। प्रत्येक स्क्वाड्रन 256 मिसाइलों से लैस होती है।

एस-400 सिस्टम की क्षमता का प्रमाण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिला था, जब भारतीय वायुसेना के एस-400 ने पाकिस्तान के अंदर 314 किलोमीटर की दूरी पर उड़ रहे एक पाकिस्तानी सैन्य विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया था। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी एयरस्पेस में सैन्य और नागरिक उड़ानों के एकसाथ होने के बावजूद, वायुसेना ने अपने विशेष सिस्टम से सैन्य विमान की सटीक पहचान की। एस-400 ने खतरे को ट्रैक किया और लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को निर्देशित करते हुए पाकिस्तानी विमान पर अचूक निशाना लगाया।

इंडिया गठबंधन ने कहा- अगर सीएम योगी नहीं तो यूपी नहीं

योगी की जमकर कर रहा तारीफ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्हें काबिल व्यक्ति बताया है। उन्होंने यहाँ तक कहा, अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है और सभी दल अपनी चुनावी बिसात बिछाने में लगे हैं। गुरुवार को संजय राउत ने कहा, अगर योगी जी ने खुद के नाम का ऐलान किया है, तो वह तारीफ के काबिल हैं। वह काबिल आदमी हैं। हम भी योगी जी को बहुत प्यार करते हैं। योगी जी हिंदुत्व का एक ऐसा चेहरा हैं, जो सबसे ऊपर हैं। अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। योगी जी ही रहेंगे न यूपी में। उन्होंने मुख्यमंत्री के बहुमत पर विश्वास जताते हुए कहा कि विधायक दल का नेता ही मुख्यमंत्री चुनता है और जो विधायक आएंगे, वे योगी जी का ही समर्थन करेंगे।

एक तरफ गठबंधन के नेता सीएम योगी की तारीफ कर रहे हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर मुख्यमंत्री पद के चेहरे को



लेकर पहले से ही बयानबाजी जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि पार्टी में कौन मुख्यमंत्री पद का चेहरा है और कौन नहीं, यह सभी जानते हैं। उन्होंने जोर दिया कि हमारे लिए कमल ही सब कुछ है और सभी चुनाव कमल के निशान पर लड़ेंगे, जिसमें वे खुद भी शामिल हैं। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी कमल को ही भाजपा का मुख्यमंत्री चेहरा बताया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव कमल के निशान पर लड़ा जाता है और चुनाव के बाद केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला होता है। मौर्य ने यह भी कहा कि फिलहाल योगी जी हमारे मुख्यमंत्री हैं और चुनाव के बाद वे ही रहेंगे या कोई और, इसका फैसला तब के विधायक करेंगे। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयानों ने आगामी चुनाव के बीच मुख्यमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के तौर पर फिर से मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में लौटेंगे। उन्होंने प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना की। यह राजनीतिक सरगर्मी ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा उत्तर प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने गठबंधन किया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 376 सीटों पर लड़कर 255 पर शानदार जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी ने 347 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 111 पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को 399 सीटों पर लड़ने के बावजूद महज 2 सीटें ही मिली थीं। बहुजन समाज पार्टी को 1 और राष्ट्रीय लोकदल को 8 सीटों पर जीत मिली थी। आगामी चुनाव में देखना होगा कि ये समीकरण क्या नया रंग लेते हैं।

प्रकाश पर्व जत्थे से पाकिस्तान में तीन भारतीय श्रद्धालु लापता

नई दिल्ली , एजेंसी । श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से 3 लोगों के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। पंजाब निवासी ये तीनों श्रद्धालु 25 नवंबर की सुबह ननकाना साहिब से पंजा साहिब रवाना होने से पहले अपने स्थान पर नहीं मिले। कुल 2,339 श्रद्धालुओं का जत्था 22 नवंबर को ननकाना साहिब पहुंचा था, जहां 23 और 24 नवंबर को सभी मौजूद थे। उनकी गुमशुदगी की खबर मिलते ही तलाश शुरू कर दी गई है और उनके बारे में कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं। लापता होने वालों में जालंधर के फिल्लौर स्थित खोखेवाल गांव के बिक्कर सिंह, तरनतारन की गुरु नानक कॉलोनी के विक्रमजीत सिंह और अमृतसर के सुल्तानविंड निवासी हरप्रीत सिंह शामिल हैं। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर तब जब पहले भी ऐसी घटना सामने आ चुकी है।

यूपी में सपा कांग्रेस का गठबंधन अटका, गोवा में तैयारी पूरी

पणजी, एजेंसी । गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट करने की रणनीति अपनाई है। पार्टी छोटे और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में उतरने की तैयारी कर रही है, ताकि सत्ताधारी भाजपा को चुनौती दी जा सके और विपक्ष के वोटों को बंटने से रोका जा सके। गोवा फॉरवर्ड ब्लॉक (जीएफबी) और रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (आरजीपी) सहित कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर मंथन चल रहा है। पिछले 15 वर्षों से गोवा में सत्ता से बाहर कांग्रेस के लिए यह चुनाव वापसी का बड़ा मौका है। 2012 के बाद के चुनावों में पार्टी का वोट प्रतिशत लगातार गिरता रहा है, जो 28-32 फीसदी के आसपास था। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 28.5 फीसदी से घटकर सिर्फ 23 फीसदी रह गया, जबकि भाजपा अपना 32 फीसदी वोट बरकरार रखने में सफल रही। इस तरह, दोनों प्रमुख दलों के बीच सीधे दस फीसदी का अंतर पैदा हो गया, जो 40 सीट वाली विधानसभा में बेहद महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के सामने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ-साथ भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट रखने की चुनौती है, और इसी वजह से वह गठबंधन को अहम मान रही है। इस बीच, गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) का आम आदमी पार्टी से दूर होना कांग्रेस के लिए एक सकारात्मक संकेत है। कुछ माह पहले आप और जीएफपी ने गोवा फर्स्ट गठबंधन का ऐलान किया था, लेकिन हाल ही में जीएफपी अध्यक्ष और विधायक विजय सरदेसाई ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना तलाश रही है। उनके मुताबिक, आप के कांग्रेस विरोधी रुख के कारण गोवा फर्स्ट गठबंधन पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है। चुनावी रणनीतिकारों का मानना है कि 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को मिले करीब सात फीसदी वोटों ने हार-जीत के समीकरणों को काफी हद तक प्रभावित किया था। इन चुनावों में आप के कारण कांग्रेस को पांच सीटों का नुकसान हुआ, क्योंकि इन सीटों पर आप को मिले वोट कांग्रेस और भाजपा के बीच जीत के अंतर से कहीं अधिक थे। हालांकि, कांग्रेस का आकलन है कि 2022 के मुकाबले आगामी चुनावों में आप का प्रभाव कम हुआ है। 2022 में आप दिल्ली में सत्ता में थी और मतदाता उसे एक मजबूत विकल्प के तौर पर देख रहे थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मिस्र में तेल टैंकर में आग, 31 की मौत :21 से ज्यादा घायल; कई गाड़ियां भी जलीं



काहिरा, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के पास हाईवे पर बुधवार रात एक तेल टैंकर में आग लग गई। इसकी चपेट में आने से 24 से ज्यादा कारें और बाइक जल गईं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 से ज्यादा घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया था। इसके बाद उसमें जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। जलती गाड़ियों में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। अब आग पर काबू पा लिया गया है। हादसा काहिरा के उपनगर इम्बाबा के वाराक जिले में हुआ, जहां आग तेजी से कई कारों में फैल गई। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई। घायलों को ज़ायद स्पेशलाइज्ड, इम्बाबा जनरल और वर्राक सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान में 39 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। मिस्र में हर साल सड़क हादसों में हजारों लोगों की मौत होती है। तेज रफ्तार, खराब सड़कों और ट्रैफिक नियमों का सही तरीके से पालन न होना इन दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह हैं। इसी साल जनवरी में बेनी सुएफ प्रांत के पास कई गाड़ियों की भीषण टक्कर में 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 16 घायल हुए थे।

नाइजीरिया में 22.6 करोड़ डॉलर की मेथामफेटामाइन जब्त

नाइजीरिया , एजेंसी। नाइजीरिया की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसी ने बुधवार को देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बड़ी कार्रवाई करते हुए कम से कम 22 करोड़ डॉलर मूल्य की मेथामफेटामाइन जब्त की। इस मामले में पांच मैक्सिकन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेशनल ड्रग लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी ने बताया कि उसके अधिकारियों ने एनुगु राज्य में बड़े पैमाने पर चल रही एक अवैध प्रयोगशाला पर छापा मारा। यहां से मेथामफेटामाइन बनाने में विशेषज्ञता रखने वाले पांच मैक्सिकन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी के प्रवक्ता फेमी बाबाफेमी ने एक बयान में बताया कि इन लोगों को कथित तौर पर एक नाइजीरियाई नागरिक ने भर्ती किया था। वे फर्जी पासपोर्ट के जरिए देश में दाखिल हुए थे। बाबाफेमी ने कहा, 'अवैध रूप से संचालित इस फैक्टरी से कुल 1,512 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद की गई। इसमें तैयार और निर्माणाधीन दोनों तरह की नशीली दवाएं शामिल हैं। इनकी अनुमानित कीमत 22.68 करोड़ डॉलर है। इस साल देश में की गई सबसे बड़ी जब्तियों में से यह एक है। नाइजीरिया अवैध मादक पदार्थों के कारोबार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इसी साल मई में दक्षिण-पश्चिमी नाइजीरिया में नाइजीरियाई और मैक्सिकन नागरिकों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया था। हाल के दिनों में इस तरह की कई कार्रवाइयां की गई हैं।

जापान : जंगली सब्जियों के लिए हजारों डॉलर खर्च कर रहे लोग

टोक्यो, एजेंसी। ऑर्गेनिक खानपान और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति बढ़ते वैश्विक रुझान ने जापान की सदियों पुरानी जंगली सब्जियां चुनने की परंपरा को नया आकर्षण बना दिया है। यहां पर्यटक जंगलों और पहाड़ों में प्राकृतिक रूप से उगने वाली सब्जियां जुटाने के लिए विशेष टूर और कार्यशालाओं पर सैकड़ों से लेकर हजारों डॉलर तक खर्च कर रहे हैं। 'सानसाई' नाम से पहचानी जाने वाली इन मौसमी पहाड़ी सब्जियों के प्रति दिलचस्पी बढ़ रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जापान में सानसाई की परंपरा हजारों साल पुरानी है। वसंत ऋतु में पहाड़ों और जंगलों में उगने वाले इन पौधों की 280 से अधिक किस्में बताई जाती हैं।

अमेरिका ने 10 लाख एआई उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की योजना को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नियामकों ने स्पेसएक्स को अंतरिक्ष में डेटा सेंटर के रूप में काम करने वाले 10 लाख तक उपग्रह तैनात करने की अनुमति दे दी है। खगोलविदों ने इस पर आपत्ति जताई है और चेतावनी दी है कि इस परियोजना से शोध कार्यों में बाधा आ सकती है और रात को आसमान का स्वरूप बदल सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने कहा कि प्रस्तावित 'स्टारमाइंड' नेटवर्क पृथ्वी पर इस्तेमाल के लिए अंतरिक्ष में डेटा प्रोसेस करेगा, जिससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसे अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों के एक समूह के लिए अमेरिका की ओर से दी गई पहली मंजूरी बताया गया है। इस मंजूरी से नेटवर्क को स्थापित करने की अनुमति मिलती है; इसका मतलब यह नहीं है कि उपग्रह (पहले ही लॉन्च किए जा चुके हैं।

ये उपग्रह ऑप्टिकल लिंक के जरिए कम्युनिकेट करेंगे, जबकि रेडियो लिंक बैकअप और आपातकालीन संचार के रूप में काम करेंगे। एफसीसी ने कहा कि यह सिस्टम अंतरिक्ष में मौजूद कचरे से जुड़े उनके नियमों के अनुरूप है।

चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने कहा, 'अमेरिका दुनिया को 'सुपर इंटेलिजेंस' के युग में ले जा रहा है।



राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठा रहा है कि यह क्रांतिकारी तकनीक नए अवसर पैदा करे, निवेश को बढ़ावा दे और अमेरिकी लोगों को लंबे समय तक लाभ पहुंचाए। '

उन्होंने कहा, 'एफसीसी ने आज अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों के लिए 10 लाख 'ऑर्बिटल कंप्यूट मॉड्यूल' तैनात करने की मंजूरी देकर इस प्रयास को और तेज कर दिया है। यह कदम अमेरिका के नेतृत्व और विकास को गति देने के लिए जरूरी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक नई और साहसिक शुरुआत है। '

कैर ने कहा, 'सुपर इंटेलिजेंस (एसआई) के क्षेत्र में अमेरिका के नेतृत्व को बनाए रखने के लिए 'कंप्यूट कैंपस' या डेटा सेंटर बहुत जरूरी हैं। अपनी कंप्यूटिंग क्षमता को पृथ्वी से बाहर ले जाकर, स्पेसएक्स और उनके कई प्रतिस्पर्धी, जो अपने खुद के ऑर्बिटल डेटा सेंटरों पर काम कर रहे हैं, समय की मांग को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'यह अमेरिकी सूझबूझ का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अंतरिक्ष और उन्नत तकनीक में हमारी ताकतों को एकजुट कर सकता है, हमारी आर्थिक बढ़त को मजबूत कर सकता है और हमारे देश में समृद्धि का विस्तार कर सकता है। एफसीसी ने बताया कि वह अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों से जुड़े अन्य प्रस्तावों की भी समीक्षा कर रहा है और अपनी नियमित प्रक्रियाओं के तहत उन पर जल्द ही फैसला लेगा। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी' ने इस फैसले का विरोध किया है और कहा है कि वे इस मंजूरी से 'बहुत निराश और हताश' हैं। सोसाइटी ने चेतावनी दी है कि बड़े और अधिक संख्या में मौजूद उपग्रह लंबे समय तक चमकते रह सकते हैं, जिससे खगोलीय अवलोकन में बाधा आ सकती है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटिंग उपकरणों से निकलने वाला रेडियो उत्सर्जन और गर्मी, रेडियो और इन्फ्रारेड खगोल विज्ञान को भी प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, उन्होंने अंतरिक्ष में उपग्रहों के आपस में टकराने और लॉन्चिंग तथा वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के कारण होने वाले प्रदूषण को लेकर भी चिंता जताई है। एक मीडिया बयान में कहा गया है, 'अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी (एएएस) इस बात से निराश और दुखी है कि फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने स्पेसएक्स को पृथ्वी की निचली कक्षा में दस लाख (1 मिलियन) उपग्रहों का एक नेटवर्क तैनात करने का लाइसेंस दे दिया है। बयान में कहा गया है, 'जैसा कि एएएस ने पहले भी एफसीसी के सामने अपनी बात रखी थी, यह प्रस्तावित नेटवर्क (द्व) खगोलीय सुविधाओं में दशकों से किए गए सरकारी निवेश को काफी नुकसान पहुंचाएगा, और (द्वद्व) खगोलविदों तथा आम लोगों की रात के आसमान को देखने और उसका अध्ययन करने की क्षमता को प्रभावित करेगा। ' सोसाइटी ने माना कि स्पेसएक्स ने पहले खगोल विज्ञान पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए अपने 'स्टारलिंक' उपग्रहों के डिजाइन में बदलाव किए थे। सोसाइटी के अनुसार, इन बदलावों से कुछ मदद तो मिली, लेकिन समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुईं। उन्होंने दस लाख उपग्रहों वाले इस प्रस्तावित नेटवर्क को एक बिल्कुल अलग स्तर का प्रोजेक्ट बताया। सोसाइटी के अनुसार, इस लाइसेंस की शर्तों के तहत स्पेसएक्स को 2033 तक उपग्रह तैनात करना शुरू करना होगा, 2035 तक कक्षा में 1 लाख उपग्रह स्थापित करने होंगे, और 2040 तक पूरे नेटवर्क को तैनात करना होगा।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका: जन्म से नागरिकता छीनने की नई कोशिश पर लगाई रोक; जानें फैसले में क्या-क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को नागरिकता देने के नियमों में बदलाव करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक और कोशिश को अदालत ने रोक दिया है। वॉशिंगटन की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन के नए आदेश पर रोक लगाते हुए साफ कहा कि राष्ट्रपति अपनी मर्जी से अमेरिकी संविधान में दिए गए नागरिकता के अधिकार में नई शर्तें नहीं जोड़ सकते। इस मामले में अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ने प्रभावित परिवारों की ओर से अदालत में याचिका दायर की थी।

यह मामला नाथन बनाम ट्रम्प के नाम से जाना जा रहा है। ट्रंप ने 6 अगस्त को एक नया कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसका मकसद अमेरिका में पैदा होने वाले कुछ बच्चों को जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता से बाहर रखना था। इससे पहले जून में सुप्रीम कोर्ट ट्रंप के नागरिकता से जुड़े पुराने आदेश पर रोक लगा चुका था। इसके बाद प्रशासन ने नए आदेश के जरिए कुछ और श्रेणियों के बच्चों को नागरिकता के दायरे से बाहर करने की कोशिश की।

ट्रंप के नए आदेश में उन बच्चों को निशाना बनाया गया था, जिनके माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक नहीं है। इसमें कुछ खास श्रेणियां शामिल थीं। मसलन, ऐसे माता-पिता जिन्हें प्रशासन ने 'दुश्मन देश का विदेशी नागरिक' माना है, विदेशी सरकारों के कर्मचारी और वे लोग जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देकर नागरिकता हासिल करने की योजना बनाते हैं। इस आदेश में उन परिवारों को भी शामिल किया गया था, जो पैसे देकर सरोगेसी के जरिए अमेरिका में बच्चे को जन्म दिलवाते हैं। यानी व्यावसायिक सरोगेसी के मामलों में पैदा हुए बच्चों की नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया गया था।

नए आदेश का दायरा सिर्फ विदेशी राजदूतों तक सीमित नहीं था। इसमें दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में काम करने वाले कुछ अन्य कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। ऐसे कर्मचारी, जो अपनी सरकारी जिम्मेदारी निभाने के लिए अमेरिका में रह रहे हैं, उनके बच्चों को भी इस आदेश के तहत नागरिकता से वंचित करने की कोशिश की गई थी। ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि इन श्रेणियों के लोग अमेरिकी संविधान के तहत मिलने वाले जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार के दायरे में नहीं आते। अदालत ने प्रशासन की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति अमेरिका में पैदा होने वाले बच्चों के लिए अपनी तरफ से नागरिकता के नए अपवाद नहीं बना सकते।ष्ट्रु के मुताबिक, अदालत ने माना कि अमेरिकी कानून के तहत आने वाले बच्चों को केवल उनके माता-पिता की नागरिकता या स्थिति के आधार पर जन्मसिद्ध नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता।

अंतरिक्ष में बनेंगे एआई के डेटा सेंटर: स्पेसएक्स को 10 लाख उपग्रह छोड़ने की मंजूरी; जानें कब से होगी तैनाती?

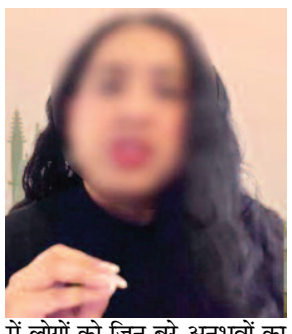
टेक्सास, एजेंसी। अंतरिक्ष में अब सिर्फ इंसान और उपग्रह ही नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बड़े-बड़े डेटा सेंटर भी नजर आएंगे। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को अमेरिका के फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अंतरिक्ष में 10 लाख तक उपग्रह तैनात करने की मंजूरी दी है। इन उपग्रहों की मदद से अंतरिक्ष में ही डेटा सेंटर बनाए जाएंगे, जहां एआई से जुड़े जटिल काम किए जा सकेंगे। इस परियोजना का नाम 'स्टारमाइंड' रखा गया है। इसका मकसद तेजी से बढ़ती एआई की जरूरतों को पूरा करना है।

सूरज की रोशनी से चलेंगे अंतरिक्ष के डेटा सेंटर : इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रह सूरज की रोशनी से ऊर्जा हासिल करेंगे। इसी बिजली से उनमें लगे कंप्यूटर और एआई सिस्टम काम करेंगे। इन उपग्रहों पर बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण किया जाएगा और फिर जरूरी जानकारी धरती पर भेजी जाएगी। इससे जमीन पर बड़े-बड़े डेटा सेंटर बनाने की जरूरत कुछ हद तक कम हो सकती है। साथ ही बिजली और ठंडा रखने पर होने वाला खर्च भी घटने की उम्मीद है।

एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। उनका कहना है कि अमेरिका सुपर इंटेलिजेंस यानी अति विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में देश इस तकनीक को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में कंप्यूटिंग की क्षमता विकसित करने से निवेश बढ़ेगा, नई संभावनाएं पैदा होंगी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा। कार के मुताबिक, एआई के क्षेत्र में दुनिया में आगे बने रहने के लिए बड़े डेटा सेंटर बेहद जरूरी हैं। अंतरिक्ष में कंप्यूटिंग की व्यवस्था तैयार होने से अमेरिका को अपनी अंतरिक्ष और आधुनिक तकनीक की ताकत का एक साथ इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। एफसीसी की मंजूरी में उपग्रहों के बीच संपर्क और उन्हें नियंत्रित करने की व्यवस्था भी शामिल है।

ब्रिटेन: ऑक्सफोर्ड में भारतीय छात्रा से नस्लभेद, महिला बोली- 'तुमसे बदबू आती है'

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली एक भारतीय पीएचडी छात्रा ने नस्लभेद को लेकर अपनी आपबीती सुनाई है। उनका नाम कामाक्षी है। उन्होंने शहर में खरीदारी के दौरान अपने साथ हुई एक घटना के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने बड़े शिक्षण संस्थानों में नस्लभेद को लेकर भी अपनी बात रखी। कामाक्षी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने बताया कि ऑक्सफोर्ड में अलग-अलग रंग और नस्ल के लोगों को किस तरह के बुरे अनुभवों से गुजरना पड़ता है। उन्होंने यह बात पहले की एक पोस्ट पर नस्लभेदी टिप्पणी आने के बाद कही। उस टिप्पणी के बाद कई लोगों ने उनका समर्थन किया था। उन्होंने कहा, 'आप सभी मेरी तरफ से इतने नाराज थे। इससे मुझे एहसास हुआ कि ऑक्सफोर्ड



में लोगों को जिन बुरे अनुभवों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में आपसे बात न करके मैं आपके साथ सही नहीं कर रही थी'।

दुकान में महिला ने क्या कह दिया : कामाक्षी ने अपने साथ हुई एक खास घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वह एक स्थानीय दुकान में सामान देख रही थीं। तभी एक श्वेत महिला उनके आसपास चक्कर लगाने लगी। इससे वह काफी असहज हो गईं। कुछ देर बाद वह महिला उनके पास आई। उन पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी। कामाक्षी ने बताया, 'बाद में वह मेरे पास आई और उसने कहा। मैं उसके शब्द दोहरा रही हूं, 'मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी, लेकिन मुझे कहना पड़ेगा। तुमसे बहुत, बहुत बदबू आती है'।

इस बात से कामाक्षी हैरान रह गईं। उन्होंने कहा कि वह महिला की बात का जवाब भी नहीं दे पाईं। महिला वहां से चली गई। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह हैरत में पड़ गई थी। जब तक मेरा दिमाग समझ पाता कि आखिर हुआ क्या है, तब तक वह जा चुकी थी'।

पिता के इत्र से जुड़ी थी यह बात : कामाक्षी ने बताया कि इस टिप्पणी से उन्हें खास तौर पर दुख पहुंचा। इसकी वजह उनके इत्र से जुड़ी एक निजी भावना थी। वह जिस इत्र का इस्तेमाल करती हैं, वही उनके पिता भी लगाते हैं। इस जुड़ाव से उन्हें सुकून मिलने के बजाय इस घटना ने उन्हें दुखी और परेशान कर दिया। उन्होंने बताया कि पूरे दिन वह खुद को कमतर दिखाने की कोशिश करती रहीं। वह नहीं चाहती थीं कि किसी का ध्यान उनकी तरफ जाए। कामाक्षी ने साफ किया कि दुकान में हुई यह घटना कोई अकेली घटना नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है। इसमें रोजमर्रा के व्यवहार में होने वाली दुश्मनी से लेकर बड़े संस्थानों की नाकामी तक शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई अकेली घटना नहीं है। सड़कों पर छोटी-छोटी नस्लभेदी घटनाओं से लेकर संस्थान की ओर से नस्लवादियों को मंच देने तक, यह सच्चाई है कि कोई भी प्रतिष्ठित संस्थान नस्लभेदी, साम्राज्यवादी या फिर समस्याग्रस्त जड़ों से पूरी तरह मुक्त नहीं है।

अमेरिका में थैंक्सगिविंग पर तूफान का साया: न्यूयॉर्क में तेज बारिश और हवाओं का अलर्ट, न्यू जर्सी में आपातकाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में थैंक्सगिविंग से पहले भीषण तूफानों ने छुट्टियों के जश्न और यात्रा की तैयारियों पर असर डालना शुरू कर दिया है। खराब मौसम के पूर्वानुमान के चलते न्यूयॉर्क की मशहूर मैसीज थैंक्सगिविंग डे परेड को शनिवार तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं, फिलाडेल्फिया में आयोजकों ने मौसम संबंधी चिंताओं के कारण परेड में गुब्बारे नहीं उड़ाने का फैसला किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क की मैसीज परेड शनिवार सुबह 8:30 बजे (अमेरिकी पूर्वी समय) शुरू होगी। यह फैसला भारी बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए लिया गया है। दोनों तटों पर तूफान का असर थैंक्सगिविंग की छुट्टियों के दौरान



अमेरिका में आठ करोड़ से ज्यादा लोगों के यात्रा करने की उम्मीद है। ऐसे में पूर्वी और पश्चिमी तट पर खराब मौसम से लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पूर्वी तट पर सुपरस्टॉर्म सैंडी के बाद सबसे ऊंचे जलस्तर की आशंका जताई गई है। डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। पश्चिमी तट पर भी तटीय इलाकों में बाढ़ की आशंका बनी हुई है। सैन फ्रांसिस्को के दक्षिण में पैसिफिका इलाके में तेज लहरों के कारण एक पियर का हिस्सा ढह गया। वहीं, सैन डिएगो के आसपास ऊंचे ज्वार के कारण जलस्तर के पुराने रिकॉर्ड टूट गए।

खराब मौसम को देखते हुए एयरलाइंस ने भी यात्रियों को संभावित परेशानी के लिए आगाह किया है। साउथवेस्ट एयरलाइंस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने थैंक्सगिविंग के दिन पूर्वोत्तर अमेरिका में उड़ानों के प्रभावित होने की आशंका जताई है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और तटीय इलाकों में बाढ़ की चेतावनी दी है। उन्होंने लोगों से स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने भी बड़े तूफान की आशंका को देखते हुए पूरे राज्य में आपातकाल घोषित किया है। तूफान के कारण तेज और नुकसान पहुंचाने वाली हवाएं, भारी बारिश, तटीय इलाकों में बाढ़ और लंबे समय तक बिजली गुल रहने की आशंका है। यह आपातकालीन घोषणा बुधवार शाम छह बजे (अमेरिकी पूर्वी समय) से प्रभावी हुई। गवर्नर शेरिल ने छुट्टियों में यात्रा करने वाले लोगों से अपील की कि वे तूफान के सबसे खराब असर से बचने के लिए बुधवार को ही अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश करें।

बांग्लादेश- अवामी लीग ने 2 दिन बंद का ऐलान किया



ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। उनकी पार्टी अवामी लीग ने 27 और 28 नवंबर को देशभर में दो दिन के लॉकडाउन का ऐलान किया है। हसीना की पार्टी अवामी लीग ने अपने लॉकडाउन के पीछे 8 मांगें रखी हैं। इनमें पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटाना और राजनीतिक बंदियों को रिहा करना शामिल है। वहीं, सरकार ने हसीना की वापसी और बढ़ती हिंसा को देखते हुए सीमा पर सुरक्षा भी बढ़ा दी है। इस बीच, सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में देशभर में आगजनी की करीब 100 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

सीमा पर बॉर्डर सेना की 108 टुकड़ियां तैनात : हसीना की वापसी से पहले तारिक रहमान सरकार ने सीमा से लगे सात जिलों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 108 टुकड़ियां तैनात की हैं। सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन, बॉडी कैमरों और दूसरे निगरानी उपकरणों की मदद से नजर रख रही हैं। पुलिस ने भी सीमा से लगे इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। जगह-जगह जांच चौकियां बनाई गई हैं और संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इसके अलावा, सीमा से लगे 30 जिलों में प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों को संवेदनशील रास्तों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

15 दिन में ग्रामीण बैंक की 100 शाखाओं पर हमला : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मुहम्मद यूनुस की ओर से बनाए गए ग्रामीण बैंक की शाखाओं को भी निशाना बनाया जा रहा है। बैंक की 24 नवंबर की आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 नवंबर से अब तक देशभर में इसकी करीब 100 शाखाओं पर हमले हो चुके हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि अवामी लीग को कभी राजनीति नहीं करने दी जाएगी। पार्टी पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कहने-सुनने के समझौते के तहत नई दिल्ली से बातचीत जारी है। हसीना की सत्ता जाने के बाद से सरकार पर विरोध की आवाज दबाने के आरोप लग रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2024 से अक्टूबर 2026 के बीच पत्रकारों को गिरफ्तारी, हिंसा, मुकदमों और आर्थिक रोक का सामना करना पड़ा।

किम जोंग उन ने किया परमाणु ठिकानों का दौरा, सामरिक हथियारों के व्यापक इस्तेमाल पर रहा जोर

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को देश के परमाणु ठिकानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परमाणु हथियार उत्पादन क्षमता को और मजबूत करने का आह्वान किया। परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्रों और हथियार अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण करते हुए उन ने कहा कि देश को अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, किम ने बुधवार को इन परमाणु ठिकानों का दौरा किया। हालांकि, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने अपनी रिपोर्ट में इन केंद्रों के नाम और उनके स्थान का खुलासा नहीं किया। निरीक्षण के दौरान किम ने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता का व्यवस्थित और लगातार विस्तार कर रहा है, ताकि देश के परमाणु हथियारों के जखीरे को मजबूत और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की क्षमता विकसित करने को महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता बताया।

किम ने इसके पीछे आधुनिक युद्ध में सामरिक परमाणु हथियारों



की सैन्य उपयोगिता और उत्तर कोरिया की उस देश के साथ साझा सीमा का हवाला दिया, जिसे उन्होंने सबसे खतरनाक शत्रु देश बताया। उनका इशारा दक्षिण कोरिया की ओर था। उत्तर कोरियाई नेता ने अमेरिका पर पूर्वोत्तर एशिया में परमाणु प्रसार को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा,' अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ परमाणु हथियार साझा करने और उनके संयुक्त इस्तेमाल की व्यवस्था विकसित कर रहा है। इससे क्षेत्र में एक वैश्विक परमाणु सैन्य गठबंधन प्रणाली तैयार हो रही है। किम ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों में उत्तर कोरिया के लिए अपने परमाणु हथियारों के भंडार को बढ़ाना और भी जरूरी हो गया है। उन्होंने दोहराया कि उत्तर कोरिया की परमाणु शक्ति संपन्न देश की स्थिति में कोई बदलाव नहीं है और बाहरी देशों के बयानों या परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग से इसमें कोई परिवर्तन नहीं आएगा। उत्तर कोरिया ने वर्ष 2023 में अपने संविधान में खुद को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया था। किम ने कहा कि परमाणु हथियारों का स्वामित्व देश की संप्रभुता और सुरक्षा की बुनियादी गारंटी है। इसे खत्म करने की किसी भी कोशिश को उत्तर कोरिया अपनी संप्रभुता पर हमला और युद्ध की घोषणा के रूप में देखेगा। इस साल फरवरी में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस में भी उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु हथियार संपन्न देश की स्थिति को अपरिवर्तनीय बताया था।

उस दौरान प्योंगयांग ने पांच वर्षीय सैन्य आधुनिकीकरण योजना के तहत परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने का संकल्प लिया था। यह किम जोंग उन का किसी परमाणु केंद्र का चौथा ऐसा दौरा है, जिसकी जानकारी सरकारी मीडिया ने सार्वजनिक की है। इससे पहले उन्होंने सितंबर 2024, जनवरी 2025 और जून 2026 में भी परमाणु प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में IT की रेड से कर चोरी करने वालों में हड़कंप

अकाय इंडस्ट्रीज-अरिहंत डायकैम के डायरेक्टरों के घर और ऑफिस समेत कई ठिकानों पर 80 से अधिक अधिकारियों की सर्च कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत शहर के औद्योगिक जगत में एक बार फिर आयकर विभाग की कार्रवाई से कर चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है। मुंबई और सूरत इनकम टैक्स इन्वेस्टिगेशन विंग (DDI) ने संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए मुंबई में रजिस्टर्ड और सूरत में संचालित 'अकाय इंडस्ट्रीज' तथा 'श्री अरिहंत डायकैम' कंपनियों पर छापेमारी की है।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में दोनों शहरों के 80 से अधिक अधिकारियों की टीम शामिल है। आयकर विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से कारोबारी जगत में हलचल मच गई है।

डायरेक्टर मिलन शाह और रोहन शाह के आवास पर भी सर्च

इस कार्रवाई के तहत श्री अरिहंत डायकैम के डायरेक्टर मिलन शाह और रोहन शाह के आवास, मुंबई स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस तथा दोनों कंपनियों के अन्य व्यावसायिक ठिकानों पर गहन जांच की जा रही है।

इसके अलावा आयकर विभाग के अधिकारी कुछ अन्य संबंधित स्थानों पर भी पहुंचकर दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान बड़े पैमाने पर कथित बेनामी लेन-देन सामने आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

अकाय इंडस्ट्रीज: फूड-ग्रेड कलर्स और पिगमेंट्स की प्रमुख निर्माता एवं निर्यातक कंपनी

अकाय इंडस्ट्रीज फूड-ग्रेड कलर्स और पिगमेंट्स के निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में सक्रिय प्रमुख कंपनी है। कंपनी की प्रोफाइल के अनुसार, यह हल्दी, चुकंदर, अन्नाट्टो और वेजिटेबल कार्बन जैसे प्राकृतिक फूड कलर्स के अलावा FD&C सिंथेटिक डाई, D&C कलर्स, लेक कलर्स, लिक्विड कलर्स और कस्टम ब्लेंडेड पाउडर सहित 50 से अधिक प्रकार के उत्पाद उपलब्ध कराती है।

इन उत्पादों का उपयोग बेवरेज, बेकरी, कन्फेक्शनरी, डेयरी, पेट फूड, फार्मास्यूटिकल्स और कॉस्मेटिक्स जैसे विभिन्न उद्योगों में किया जाता है।

कंपनी अपने इन-हाउस लैब और R&D सेटअप के माध्यम से ग्राहकों की जरूरत के अनुसार कस्टम कलर फॉर्मूलेशन भी तैयार करती है। इसके अलावा वेबसाइट के माध्यम से सैंपल और ब्रोशर की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

सचिन GIDC में दशकों से कार्यरत है श्री अरिहंत डायकैम

सूरत के नजदीकी औद्योगिक क्षेत्र सचिन GIDC में स्थित श्री अरिहंत डायकैम की कंपनी प्रोफाइल के अनुसार, इसका इतिहास काफी पुराना है। कंपनी ने 1989 से 1993 के दौरान डाई और डाई इंटरमीडिएट्स के क्षेत्र में अपना विस्तार किया था।

150 से अधिक कर्मचारियों के कार्यबल वाली इस कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रतिमाह 250 मीट्रिक टन तक बताई जाती है। गूगल मैप्स पर इसे 'वुमेन-ओन्ड बिजनेस' यानी महिला संचालित उद्योग के रूप में दर्ज किया गया है। कंपनी के पास सचिन GIDC में सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिकल्स और डाई उत्पादन से संबंधित पर्यावरणीय मंजूरियां भी बताई गई हैं।

कंपनी मुख्य रूप से R Salt, G Salt, Amido G Salt और K Acid जैसे डाई इंटरमीडिएट्स का उत्पादन एवं आपूर्ति करती है। इनका उपयोग डाई स्टफ, फूड कलर और अन्य रासायनिक उद्योगों में होता है।

इसके अलावा कंपनी 'अरिहंत कलर' ब्रांड के तहत प्राकृतिक, सिंथेटिक और लेक फूड कलर्स के साथ अन्य औद्योगिक रसायनों के कारोबार से भी जुड़ी हुई है।

फिलहाल आयकर विभाग की जांच जारी है। छापेमारी में क्या दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आती हैं, इस पर कारोबारी जगत की नजरें टिकी हुई हैं।

डायरेक्टरों के आवास और व्यावसायिक ठिकाने जांच के दायरे में

कार्रवाई के दौरान श्री अरिहंत डायकैम के डायरेक्टर मिलन शाह और रोहन शाह के आवास सहित दोनों कंपनियों से जुड़े विभिन्न स्थानों पर दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है।

सचिन GIDC की कंपनी भी जांच के दायरे में

श्री अरिहंत डायकैम सचिन GIDC में लंबे समय से डाई और डाई इंटरमीडिएट्स के कारोबार से जुड़ी कंपनी है। वहीं अकाय इंडस्ट्रीज फूड-ग्रेड कलर्स और पिगमेंट्स के निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में सक्रिय है।

क्या सामने आएगा जांच में?

आयकर विभाग की इस कार्रवाई के दौरान वित्तीय दस्तावेजों, कारोबारी रिकॉर्ड और लेन-देन की पड़ताल की जा रही है। हालांकि, कथित कर चोरी या बेनामी लेन-देन को लेकर अभी तक किसी अंतिम निष्कर्ष की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

रहस्यमय परिस्थितियों में लापता,शव कोयली खाड़ी में मिला

सचिन से चार दिन पहले लापता किशोरी का शव कोयली खाड़ी में मिला

गले पर चोट के निशान से हत्या की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सचिन इलाके से चार दिन पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी इरफत का शव कनसाड गांव के पास कोयली खाड़ी से बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। किशोरी के गले पर चोट के निशान होने की प्रारंभिक चर्चा के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है।

खाड़ी में तैरता मिला शव

जानकारी के अनुसार, लाजपोर स्थित मदीना पार्क निवासी मोहम्मद जाकिर अंसारी की बेटी इरफत चार दिन पहले लापता हो गई थी। परिवार द्वारा तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला था।

आज कनसाड गांव के पास कोयली खाड़ी में एक राहगीर ने पानी में शव तैरता देखा और इसकी सूचना फायर विभाग को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने शव को बाहर निकालकर पुलिस के हवाले किया। बाद में शव की पहचान लापता किशोरी इरफत के रूप में हुई।

गले पर चोट के निशान, हत्या या आत्महत्या की जांच

प्रारंभिक जानकारी में किशोरी के गले पर चोट के निशान होने की बात सामने आई है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या कर शव खाड़ी में फेंका गया हो सकता है। हालांकि, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

दुबई में नौकरी करते हैं पिता, परिवार में शोक

मृतका के पिता मोहम्मद जाकिर अंसारी दुबई में नौकरी करते हैं। परिवार में मृतका के अलावा तीन अन्य भाई-बहन हैं। बेटी का शव मिलने से परिवार में मातम छा गया है। पुलिस अब किशोरी के लापता होने से लेकर शव मिलने तक की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

भेस्तान-डिंडोली ब्रिज को लेकर SMC का नया एक्शन प्लान

47.52 करोड़ के नए ठेके से 18 महीने में पूरा होगा निर्माण

जून 2027 तक मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:दक्षिण सूरत के लाखों वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। भेस्तान के कराडवा से डिंडोली को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित सिद्धार्थनगर रेलवे ओवरब्रिज का अधूरा निर्माण कार्य अब नए ठेकेदार के माध्यम से पूरा किया जाएगा। सूरत महानगरपालिका ने शेष काम के लिए 47.52 करोड़ रुपये का ठेका दिया है। निर्माण पूरा करने के लिए 18 महीने की समयसीमा तय की गई है।

पुराना ठेका रद्द, नए ठेकेदार को जिम्मेदारी

फरवरी 2019 में करीब 59 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट निर्धारित समय में पूरा नहीं हो पाया था। रेलवे की मंजूरियों और पुराने ठेकेदार की धीमी कार्यप्रणाली के कारण काम लंबे समय तक अटका रहा। वर्ष 2024 में पुराने ठेकेदार का ठेका रद्द कर दिया गया। इसके बाद नवंबर 2025 में शेष निर्माण कार्य 47.52 करोड़ रुपये में नए ठेकेदार को सौंपा गया।

जून 2027 तक ब्रिज पूरा करने का लक्ष्य

नए ठेकेदार को 18 महीने में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके अनुसार जून 2027 तक ब्रिज तैयार होने की उम्मीद है। पुराने खर्च और नए ठेके की राशि मिलाकर पूरे प्रोजेक्ट की लागत लगभग 74 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

नवीन फ्लोरिन ब्रिज से NH-48 तक मिलेगी कनेक्टिविटी

सिद्धार्थनगर ब्रिज के साथ 34 करोड़ रुपये की लागत से बना 502 मीटर लंबा नवीन फ्लोरिन जंक्शन ब्रिज भी पूरी क्षमता से उपयोग में आ सकेगा। दोनों ब्रिज जुड़ने के बाद पांडेसरा-वडोद, अलथाण और वेसू के वाहन चालकों को नेशनल हाईवे-48 (NH-48) तक सीधी कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है।

लाखों लोगों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत

भेस्तान, कराडवा और डिंडोली के नागरिकों को रेलवे क्रॉसिंग के कारण लंबे समय तक ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। ब्रिज शुरू होने के बाद वाहन चालकों का समय और ईंधन बचेगा तथा दक्षिण सूरत की कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या महानगरपालिका जून 2027 की निर्धारित समयसीमा में वर्षों से अधूरे पड़े इस प्रोजेक्ट को वास्तव में पूरा कर पाएगी?

नासीरनगर मामले में हाईकोर्ट के तीखे सवाल, 'अब तक FIR क्यों नहीं?'

'एडवोकेट जनरल के आश्वासन के बावजूद अधिकारियों की मनमानी क्यों?'

राज्य के मुख्य सचिव से निर्देश लेकर जवाब पेश करने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नासीरनगर डिमोलिशन मामले की मुख्य याचिका पर हाईकोर्ट के सिंगल जज के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने कई तीखे सवाल उठाए। हाईकोर्ट ने पूछा कि एडवोकेट जनरल के आश्वासन के बावजूद अधिकारी मनमानी क्यों कर रहे हैं?

सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि जांच पूरी हो चुकी है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट आने में एक सप्ताह से 10 दिन का समय लगेगा। इस पर हाईकोर्ट ने सवाल किया कि यदि जांच पूरी हो गई है तो अब तक FIR क्यों दर्ज नहीं की गई? क्या दो अधिकारियों की कमेटी यह तय कर सकती है कि FIR दर्ज करनी है या नहीं?

मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि एडवोकेट जनरल पहले ही इस मामले से स्वयं को अलग कर चुके हैं।

राज्य के सर्वोच्च कानूनी अधिकारी की सलाह अधिकारी नहीं मानें, ऐसी स्थिति क्यों बनी?

सिंगल जज ने कहा कि पिछले आदेश पर स्टे दिया गया, यह बात समझ में आती है, लेकिन राज्य के सर्वोच्च कानूनी अधिकारी यानी एडवोकेट जनरल ने अदालत को आश्वासन दिया था। इसके बावजूद ऐसी स्थिति क्यों बनी कि अधिकारी राज्य के सर्वोच्च कानूनी अधिकारी की सलाह नहीं मान रहे हैं?

अदालत ने कहा कि राज्य के मुख्य सचिव को इस मामले पर ध्यान देना चाहिए। क्या यह स्वीकार किया जा सकता है कि राज्य के सर्वोच्च कानूनी अधिकारी की सलाह को अधिकारी नजरअंदाज कर दें? जिन अधिकारियों ने एडवोकेट जनरल की सलाह के विपरीत काम किया, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?

अदालत ने इसे सिद्धांतों से जुड़ा मामला बताते हुए सवाल किया कि क्या कोई राज्य अधिकारी यह कह सकता है कि एडवोकेट जनरल अदालत में मेरा प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन मैं उनकी बात से सहमत नहीं हूं?

कोर्ट ने कहा- 'शीर्ष स्तर से निर्देश लेकर जवाब पेश करें'

अदालत ने सवाल उठाया कि क्या स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन यह कह सकते हैं कि एडवोकेट जनरल ने सलाह दी है, लेकिन हम उनकी सलाह नहीं मानेंगे?

क्या राज्य सरकार भी SMC के इस जवाब से सहमत है कि भले ही डिमोलिशन गैरकानूनी तरीके से हुआ हो, लेकिन प्रभावित लोगों को वैकल्पिक आवास की व्यवस्था नहीं दी जाएगी? क्या राज्य सरकार की ऐसी कोई नीति है?

हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि इस मामले में राज्य के सर्वोच्च स्तर से निर्देश और सुझाव प्राप्त करके अगली सुनवाई में जवाब पेश किया जाए।

26 नवंबर को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के आदेश पर लगाया था स्टे

नासीरनगर डिमोलिशन मामले में SMC द्वारा डिमोलिशन से प्रभावित लोगों को आवास देने के अपने पहले के रुख से पीछे हटने की बात सामने आने के बाद सिंगल जज ने सूरत महानगरपालिका के कमिश्नर और स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन को दूसरी बार 27 नवंबर को अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया था।

इसके अलावा, दोनों अधिकारियों के खिलाफ क्रिमिनल कंटेम्प्ट (आपराधिक अवमानना) की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए, इस मुद्दे पर भी अदालत ने जवाब मांगा था।

इसके बाद सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर और स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन ने सिंगल जज के आदेश को डिवीजन बेंच में चुनौती देते हुए अपील दायर की थी।

इस मामले में 26 नवंबर को डिवीजन बेंच ने करीब साढ़े तीन घंटे तक लंबी सुनवाई के बाद सिंगल जज के पिछले आदेश पर स्टे दे दिया था। इसके चलते स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन और कमिश्नर को 27 नवंबर को होने वाली सुनवाई में हाईकोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं रही थी।

पुलिस में नई भर्ती का ऐलान, लेकिन पुरानी भर्ती के परिणाम का अब तक नहीं?

PSI मोड-2 की एक साल पहले हुई परीक्षा का रिजल्ट लंबित

उम्मीदवारों का धैर्य भी अब जवाब देने लगा

पुराने 5,500 उम्मीदवारों का भविष्य अधर में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात:पोरबंदर सहित पूरे राज्य में पुलिस विभाग में नई भर्ती की घोषणा कर दी गई है, लेकिन पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया का अब तक कोई नतीजा सामने नहीं आया है। PSI मोड-2 की करीब एक साल पहले आयोजित परीक्षा का परिणाम अभी तक घोषित नहीं किया गया है। इससे हजारों उम्मीदवारों का इंतजार बढ़ता जा रहा है और अब उनका धैर्य भी जवाब देने लगा है।

हाल ही में गृह मंत्री हर्ष संघवी ने पुलिस विभाग में 10 हजार से अधिक कर्मचारियों की भर्ती करने की घोषणा की है। दूसरी ओर, PSI मोड-2 की विभागीय परीक्षा में शामिल हुए करीब 5,500 उम्मीदवार पिछले एक साल से परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।

430 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती प्रक्रिया में पोरबंदर सहित पूरे गुजरात से लगभग 5,500 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया था।

भर्ती के सभी चरण पूरे, फिर भी परिणाम का इंतजार

PSI मोड-2 की विभागीय भर्ती के लिए 7 सितंबर से 13 सितंबर 2025 तक शारीरिक परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें सफल उम्मीदवारों के लिए 23 नवंबर 2025 को प्रारंभिक वस्तुनिष्ठ परीक्षा आयोजित की गई।

इसके बाद करीब 1,800 उम्मीदवारों के क्वालिफाई होने पर दूसरी परीक्षा भी आयोजित की गई। लेकिन इसके बाद अब तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है।

उम्मीदवारों का कहना है कि जब वे भर्ती के परिणाम के बारे में पूछताछ करते हैं तो उन्हें 'वेबसाइट देखते रहिए' जैसा जवाब दिया जाता है। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ रही है।

करीब दो साल से जारी है भर्ती प्रक्रिया!

गृह विभाग की PSI मोड-2 भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है, लेकिन अब तक पूरी नहीं हो पाई है। दिसंबर 2024 में उम्मीदवारों के आवेदन लिए गए थे और नवंबर 2026 समाप्त होने को है, इसके बावजूद परिणाम घोषित नहीं हुआ है।

भर्ती प्रक्रिया में हो रही इस देरी को लेकर उम्मीदवारों में निराशा और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

पोरबंदर जिले के 60 उम्मीदवारों ने भी दी थी परीक्षा

PSI मोड-2 की विभागीय परीक्षा में पोरबंदर जिले के करीब 60 उम्मीदवार शामिल हुए थे। इन उम्मीदवारों का परिणाम भी अब तक लंबित है। ऐसे में उम्मीदवारों की मांग है कि परिणाम में हो रही देरी का स्पष्ट कारण बताया जाए और जल्द से जल्द परिणाम घोषित किया जाए।

पुलिस भर्ती की नई घोषणाओं के बीच पुराने उम्मीदवार अपने परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध,3.13 करोड़ ठगी का आरोप

शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध और

3.13 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का आरोप,आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:सूरत के अडाजण इलाके में शादी का झांसा देकर युवती का विश्वास जीतने, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और फिर करोड़ों रुपये लेने के आरोप में पुलिस ने 28 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस शिकायत के मुताबिक, आरोपी मिलनभाई रमणभाई सुरती ने युवती से अलग-अलग समय पर कुल 3,11,90,000 रुपये के अलावा 2 लाख रुपये नकद भी लिए थे। इस तरह कुल रकम 3,13,90,000 रुपये बताई गई है।

शादी का भरोसा देकर बढ़ाई नजदीकियां

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने युवती को शादी का भरोसा दिलाकर उससे नजदीकियां बढ़ाईं और कथित तौर पर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद विश्वास का फायदा उठाकर अलग-अलग समय पर बड़ी रकम हासिल की।

रकम वापस नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत

आरोप है कि युवती द्वारा दी गई रकम वापस मांगने के बावजूद आरोपी ने पैसे नहीं लौटाए। इसके बाद युवती ने अडाजण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

28 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, वित्तीय लेन-देन की जांच जारी

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी मिलनभाई रमणभाई सुरती को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि युवती से कब, किस माध्यम से और कितनी रकम ली गई तथा पूरे मामले में आरोपी की भूमिका क्या रही।

मामले में आगे की जांच जारी है।